नई दिल्ली
रविवार, 28 दिसंबर, 2025
पौष मास शुक्ल पक्ष,
अष्टमी/नवमी वर्ष : 29, अंक : 255
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 21
न्यून. 08

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

गणतंत्र दिवस परेड समारोह-2026 में रचा जाएगा एक नया इतिहास...

61वीं कैवलरी संग कर्तव्य पथ पर पहली बार कदमताल करेंगे लद्दाख के 'ज़ांस्कारी घोड़े'

कविता जोशी ⏭नई दिल्ली

अगले महीने 26 जनवरी को होने वाले 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान एक नया इतिहास रचा जाएगा। जिसमें पहली बार कर्तव्य पथ पर आयोजित की जाने वाली भव्य परेड में 61वीं कैवलरी के घुड़सवार दस्ते में लेह-लद्दाख की दुर्गम ऊंचाई वाले इलाकों में सेना के अभिन्न अंग के रूप में उसे रसद पहुंचाने वाले 'ज़ांस्कारी घोड़े' भी शामिल होंगे।

केंद्र सरकार के विश्वसनीय सूत्रों ने 'हरिभूमि' से बातचीत में बताया कि 61वीं कैवलरी जिसे देश-दुनिया की एकमात्र सक्रिय घुड़सवार रेजिमेंट के नाम से भी जाना जाता है। उसके परेड दस्ते में ज़ांस्कारी समेत कुल करीब 59 घोड़े शामिल होंगे। ज़ांस्कारी घोड़ों की संख्या कितनी होगी। इसे लेकर सूत्रों ने फिलहाल कुछ नहीं बताया, लेकिन इतना जरूर कहा कि आगामी नए साल में 61वीं कैवलरी का ये घुड़सवार दस्ता परेड समारोह में भाग लेने के लिए बाकी दस्तों के साथ ⏭शेष पेज 7 पर

सिलेक्टिव ब्रीडिंग से होते विकसित

अलग खबर

जांस्करी घोड़ा लेह-लद्दाख क्षेत्र की एक प्राकृतिक नस्ल है। जिसे कारगिल जिले की जांस्कार घाटी में चयनात्मक प्रजनन (सिलेक्टिव ब्रीडिंग) के माध्यम से विकसित किया जाता है। पशुपालक मादा घोड़े के गर्भवती होने के दौरान उसे उच्च-गुणवत्ता वाली घास, विशेष आहार, उचित टीकाकरण और अन्य जरूरी देखभाल प्रदान करते हैं। इस प्रक्रिया को अपनाने के पीछे एक ऐसा जांस्कारी घोड़ा तैयार करना है। जो क्षेत्र के दुर्गम ऊंचाई वाले इलाकों में न केवल चलने बल्कि सेना के लिए जरूरी रसद सामग्री पहुंचाने में सक्षम हो। वर्तमान में सेना की रिमाउंट वेटरनरी कोर (आरवीसी) जांस्कार में विश्व के सबसे ऊंचे स्टड फार्म पर इनके प्रजनन के अलावा नस्ल को बचाने और सुधारने का काम कर रही है। जांस्कारी घोड़ों की कुल ऊंचाई 120 से 140 सेंटीमीटर होती है और यह कारगिल, सियाचिन और देपसांग के ⏭शेष पेज 7 पर

1953 में गठित की गई कैवलरी रेजिमेंट

61वीं कैवलरी के बारे में बताते हुए सूत्रों ने कहा इसका गठन वर्ष 1953 में 6 राज्य अश्व इकाइयों को संगठित कर किया गया था। जिसमें भारत की आजादी से पूर्व के समय में रही रियासतें जैसे मैसूर लांसर्स और जोधपुर लांसर्स भी शामिल रही हैं। इस रेजिमेंट की एक खास बात यह भी कि यह इतिहास की आखिरी घुड़सवार सेना का भी हिस्सा है, जिसने 1918 के हाइफा के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस दौरान इन्होंने तुर्कों के खिलाफ अंतिम घुड़सवार चार्ज का नेतृत्व किया था। इसके बाद जब 15 अगस्त 1947 को देश आजाद ⏭शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सलमान ने मनाया 60वां जन्मदिन, पहुंचे कई दिग्गज

मुंबई। एक्टर सलमान खान ने 60वां जन्मदिन मनाया। उनका बर्थडे शुक्रवार देर रात पनवेल

स्थित फॉर्म हाउस पर मनाया गया। इसमें क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी पहुंचे। पार्टी में परिवार के अलावा संजय दत्त, संगीता बिजलानी और करिश्मा कपूर समेत कई सेलिब्रिटी शामिल हुए। सलमान ने आधी रात को फॉर्महाउस के बाहर केक काटा।

जीडीपी 7.4% तक रहने का अनुमान

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ने की राह पर है। विशेषज्ञों के

अनुसार, इस वर्ष देश की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके पीछे बिजली की मांग में इजाफा, खनन और निर्माण गतिविधियों में विस्तार तथा त्योहारी सीजन के दौरान उपभोक्ता खपत में बढ़ोतरी प्रमुख कारण हैं।

बोले, इस मुक्त व्यापार समझौते से देश में रोजगार और आय में होगी वृद्धि

भारत के साथ एफटीए से फूले नहीं समा रहे न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

इसी सप्ताह की शुरुआत में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को लेकर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन गदगद नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में समझौते के बाद से लेकर आज तक वो इसकी प्रशंसा करते नहीं थकते। शनिवार को अपनी ऐसी ही एक प्रशंसा वाली एक्स पोस्ट में लक्सन ने एफटीए को लेकर लिखा, 'हमने अपने कार्यकाल में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने का वादा किया था। जिसे हमने पूरा किया है। इस ऐतिहासिक समझौते से 14 लाख भारतीय उपभोक्ताओं के लिए द्वार खुलेंगे। जिससे अधिक रोजगार, आय और अधिक निर्यात संभव होगा। उन्होंने पोस्ट में ये भी बताया कि इस एफटीए का उद्देश्य बुनियादी चीजों को ठीक करना और भविष्य का निर्माण करना है'।

अपने विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स के विरोध को खारिज करते हुए की न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी

22 दिसंबर को हुई थी एफटीए की घोषणा

ज्ञात हो कि बीते 22 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद भारत और न्यूजीलैंड के शीर्ष नेताओं ने दोनों देशों के बीच एफटीए होने की घोषणा की थी। जिसे लेकर वार्ता की शुरुआत इसी साल मार्च महीने पीएम लक्सन की भारत यात्रा के दौरान हुई थी। जिसके बाद रिकॉर्ड 9 में यह समझौता हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एफटीए के ऐलान के बाद एक्स पोस्ट में कहा था कि इसकी मदद से दोनों देशों के बीच आगामी पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना हो जाएगा। इसके अलावा आगामी डेढ दशक में न्यूजीलैंड भारत में विभिन्न क्षेत्रों में 20 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा।

विंस्टन पीटर्स का विरोधी तर्क

न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने भारत के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि ये समझौता न्यूजीलैंड के लिए किसी भी लिहाज से लाभप्रद नहीं है। बल्कि यह हमारे देश के लिए एक खराब समझौता है। इसे न ही स्वतंत्र कहा जा सकता है और न ही ये निष्पक्ष एफटीए है। उन्होंने ये भी कहा कि न्यूजीलैंड की सरकार ने समझौते को लेकर पर्याप्त लाभ सुरक्षित किए बिना जल्दबाजी में इस पर अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। पीटर्स ने कहा कि मैंने हालांकि अपने भारतीय समकक्ष विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर को एफटीए के विरोध से जुड़ी अपनी पार्टी की भावनाओं से अवगत करा दिया है। लेकिन इसका अर्थ ये नहीं है कि मेरे मन में उनके लिए सम्मान नहीं है। मेरे मन में जयशंकर के लिए अत्यधिक सम्मान है।

डेयरी क्षेत्र नहीं खोलेगा भारतः गोयल

वहीं, समझौते के पक्ष या विपक्ष में खड़ी होती इन आवाजों के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी बीते दिनों दो टूक अंदाज में न्यूजीलैंड को ये साफ कर चुके हैं कि हम उनके लिए किसी भी सूरत में अपना डेयरी क्षेत्र नहीं खोलेंगे। इस बात का जिक्र एफटीए में भी कहीं पर नहीं किया गया है। भारत के लिए डेयरी क्षेत्र एक रेड लाइन यानी लक्ष्मण रेखा है। जिसे लेकर कोई समझौता नहीं किया गया है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हुए 7 एफटीए

गोयल ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा था कि न्यूजीलैंड के साथ हुआ एफटीए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते पांच वर्षों में हुआ सातवां एफटीए है। 2021 में भारत और मॉरीशस के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग भागीदारी समझौता (सीईसीपीए) हुआ था। इसके अगले साल 2022 में भारत-यूएई के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईपीए) हुआ। 2022 में ही भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच एफटीए हुआ। 2024 में भारत-ईएफटीए के बीच समझौता हुआ। जबकि मौजूदा साल 2025 में भारत-ब्रिटेन, भारत-ओमान के बाद अब भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ है।

दक्षिण और दक्षिण पूर्व जिले में पुलिस की कार्रवाई

ऑपरेशन आघात के तहत 604 सलाखों के पीछे धकेले

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- नये साल के जश्न से पहले सुरक्षित माहौल देने की कोशिश

नये साल के जश्न से पहले दिल्ली में सुरक्षित माहौल बनाने की दिशा में सदर्न रेंज में ऑपरेशन आघात चलाया गया। दक्षिण और दक्षिण पूर्व जिले में चलाए गए इस व्यापक अभियान के दौरान 1200 पुलिसकर्मियों की अलग अलग टीमों ने कुल 2850 लोगों को राउंड अप किया है। इनमें 604 असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेला गया। गिरफ्तार किये गये लोग हथियार, मादक पदार्थ, अवैध शराब और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। अन्य लोग भी छोटे मोटे अपराध या कानून उल्लघंन के मामलों में लिप्त पाये गये।

दक्षिणी रेंज के ज्वाइंट कमिश्नर एस के जैन के अनुसार 'ऑपरेशन आघात 3.0' नामक यह अभियान साल के अंत के त्यौहारों के दौरान लोगों की भारी आवाजाही को देखते हुए संगठित अपराध और आदतन अपराधियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए शुरू किया गया था। जांच और सत्यापन के दौरान 2,850 लोगों को पकड़ा गया/हिरासत में लिया गया। बीएनएस, शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस अधिनियम, दिल्ली उत्पाद शुल्क अधिनियम और सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत 604 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। निवारक प्रावधानों के तहत 787 लोगों को हिरासत में लिया गया। 155 बदमाश (बीसी) और आदतन अपराधियों को पकड़ा गया। चार घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। संपत्ति और सड़क अपराधों पर भी जमकर कार्रवाई की गई। 13 संपत्ति अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। आठ वाहन चोर और पांच झपटमारों दबोचे। 11 चोरी के वाहन बरामद किए गए। धारा 66 डीपी अधिनियम के तहत 350 लावारिस वाहन जब्त किए गए। पकड़े गये अपराधियों से बड़ी बरामदगी की गई है। 24 अवैध हथियार, 30 कारतूस और 44 चाकू बरामद हुये। नशीले पदार्थ की बात करें तो 8.209 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। अवैध शराब के 22,538 क्वार्टर जब्त हुये। जुआ पर लगाये गये 2,43,690 रुपये जब्त किए गए। इसके साथ ही 470 मोबाइल फोन पकड़े गये। दिल्ली पुलिस का कहना है कि नए साल के जश्न से पहले सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक निर्णायक और सक्रिय कदम उठाते हुए दक्षिणी रेंज जिसमें दक्षिण और दक्षिण पूर्व जिले शामिल हैं, ने संगठित अपराध सिंडिकेट, आदतन अपराधियों, शराब तस्करों, ड्रग पेडलर्स, संपत्ति अपराधियों और अन्य असामाजिक तत्वों के खिलाफ एक बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई। इस ऑपरेशन में जिला स्टाफ, स्पेशल स्टाफ और पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों सहित 1,200 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। यह ऑपरेशन एक लगातार चलने वाली मासिक एनफोर्समेंट रणनीति का हिस्सा है, जो पिछले चरणों की सफलता पर आधारित है। इन उपायों के परिणामस्वरूप दिल्ली पुलिस ने पीसीआर कॉल और स्ट्रीट क्राइम से संबंधित एफआईआर में काफी कमी आने का दावा किया है।

सरकार और जनप्रतिनिधियो की लापरवाही का दंश झेल रही है बुराड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली में स्थित बुराड़ी विधानसभा के निवासी एक लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं की कमी से त्रस्त हैं। टूटी-फूटी सड़कें, लगातार लगने वाले ट्रैफिक जाम, खुदाई से बिखरी गलियां, पीने के पानी की जगह गंदे पानी की सप्लाई और सफाई की कमी से जाम हो चुकी नालियां, ये समस्याएं क्षेत्रवासियों की जिंदगी को नर्क बना रही हैं। गंदा पानी सड़कों पर फैलने से सिर्फ स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ गए हैं बल्कि टूटे मेन रोड के कारण लगने वाले जाम ने लोगों का आना जाना भी मुहाल कर रखा है। आम निवासियों की मांग के चलते इन मुद्दों पर ध्यान दिलाने के लिए करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप कर राहत की मांग की है। अक्सर पत्राचार और अन्य माध्यमो से क्षेत्र की समस्याओं को बड़े मंचों तक उठाने वाले आदेश भारद्वाज का कहना है कि बुराड़ी विधानसभा, जो कभी शांत ग्रामीण इलाका था, अब तेजी से बढ़ती आबादी और विकास कार्यों की वजह से अव्यवस्था का शिकार हो गया है। यहां की में 100 फुटा रोड पिछले 7 वर्षों से टूटी पड़ी हैं। और अब जल बोर्ड द्वारा चलाए जा रहे कार्य के चलते पिछले 4 वर्षों से हालत बद से बदतर हो चुकी है। बारिश के दिनों में तो हालत और बदतर हो जाती है। ट्रैफिक जाम इतना भयानक होता है कि स्कूल जाने वाले बच्चे और काम पर जाने वाले लोग घंटों फंसे रहते हैं। दिल्ली जल बोर्ड और सीवर लाइन की खुदाई ने गलियों को खोदकर छोड़ दिया है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा, गंदे पानी की सप्लाई एक बड़ी समस्या बनी हुई है। निवासियों का कहना है कि नल से आने वाला पानी इतना गंदा होता है कि पीने लायक नहीं रहता। सफाई की कमी से नालियां जाम हो जाती हैं, और ओवरफ्लो होकर गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है। इससे सर्दी में भी मच्छरों का प्रकोप बढ़ा हुआ है और बीमारियां फैलने का डर है। लोगो को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जैसे शहर में भी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। मैंने पहले भी कई बार उपराज्यपाल जी, और मुख्यमंत्री जी और संबंधित विभागों और अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में चोरी के मामलों में वांछित व्यक्ति दिल्ली में पकड़ा

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में चोरी के मामलों में वांछित 41 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह अपने गिरोह के बदमाशों के साथ कर्नाटक में बस यात्रियों से 10 किलोग्राम चांदी और तीन लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गया था। आरोपी शख्स का नाम उत्तर प्रदेश के अमरोहा निवासी मोहम्मद फरमान बताया गया है। वह एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का सक्रिय सदस्य है।

पुलिस के अनुसार कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में चलती बसों में चोरी और डकैती की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का सदस्य फरमान आमतौर पर भोर के समय वारदात को अंजाम देता था जब यात्री सो रहे होते थे। इस संबंध में कर्नाटक पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली पुलिस ने फरार आरोपी का पता लगाकर इसे गिरफ्तार किया। कर्नाटक पुलिस ने आरोपी के दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में छिपे होने की आशंका जताई थी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कर्नाटक के कुंदापुरा थाने में दर्ज एक मामले में वांछित था। इस मामले में आरोपी और उसके साथी कथित तौर पर एक बस से 10 किलोग्राम चांदी और तीन लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए थे। इसे गुरुग्राम में एनएचएआई के टोल प्लाजा के पास जाल बिछाकर दबोचा गया। फरमान, कर्नाटक के सुब्रमण्यम नगर थाने में वर्ष 2022 में दर्ज किए गए एक अन्य मामले में भी वांछित था। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने और चोरी की संपत्ति बरामद करने के लिए आगे जांच कर रही है।

मेवात से एटीएम चोरी के मामलों में वांछित अपराधी किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने कई राज्यों में एटीएम उखाड़ने के मामलों में वांछित 37 वर्षीय बदमाश को हरियाणा के मेवात क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम पलवल के रहने वाले मुबारक अली उर्फ मुब्बा है। वह एक घोषित अपराधी है और लगभग एक साल से फरार था। अली इस साल की शुरुआत में वजीराबाद में एटीएम उखाड़ने की घटना में शामिल होने के कारण वांछित था। इस संबंध में वजीराबाद थाने में केस दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार इस साल के शुरू में छह फरवरी को वजीराबाद में अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों पर पेंट छिड़कने के बाद एटीएम को उखाड़ा गया था। उस समय एटीएम में 29.12 लाख रुपये नकद थे। अपराध की गंभीरता को देखते हुए जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई थी। तीन दिनों के भीतर हरियाणा के नूंह से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। पूछताछ के दौरान उन्होंने स्वीकारा था कि यह सब अली की देखरेख में हुआ था। अली भूमिगत हो गया था और अलग-अलग स्थानों से इसी तरह के अपराधों का समन्वय कर रहा था। पुलिस ने बताया कि इसके बाद गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया और नूंह के एक बोरवेल से चोरी किया गया एटीएम और लूटी गई नकदी का एक हिस्सा बरामद किया गया था। पुलिस ने बताया कि अली गिरफ्तारी से बचता रहा और कथित तौर पर विभिन्न राज्यों में एटीएम चोरी करने के लिए नए साथियों को अपने साथ मिला रहा था। कई राज्यों में उसका पीछा करने के बाद क्राइम ब्रांच की एक टीम ने आखिरकार मेवात से उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि मुबारक अली एक आदतन अपराधी है और दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश में एटीएम चोरी, हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन से संबंधित अपराधों सहित कम से कम 10 आपराधिक मामलों में शामिल था।

सुल्तानपुरी में नशे के सामान के साथ महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

आउटर डिस्ट्रिक्ट में चल रहे नशा मुक्त अभियान के तहत सुल्तानपुरी पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। पेट्रोलिंग स्टाफ ने ड्रग्स के व्यापार की कोशिश को नाकाम करते हुये अवैध नशीले पदार्थ भी जब्त किए हैं। एक आरोपी महिला को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से 9.14 ग्राम हेरोइन, 12 सिरिंज, 12 सुई, 12 शीशियां, 12 ब्यूप्रेनोरफिन टैबलेट और 4,200 रुपये नकदी बरामद की है। आरोपी पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत एक मामले में शामिल पाई गई थी। पुलिस ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान टीम डी-2 ब्लॉक, रेन बसेरा पार्क के पास, नांगलोई-सुल्तानपुरी रोड पहुंची थी, जहां उन्होंने एक संदिग्ध महिला को भीड़ से घिरा देखा। उसके हाथ में एक सफेद रंग का पॉलिथीन बैग था। पुलिस की मौजूदगी का पता चलते ही भीड़ तुरंत तितर-बितर हो गई और महिला ने भी भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क टीम ने तेजी से उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया। उसके घर की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान नशे का सामान बरामद हुआ। आगे की जांच चल रही है, जिसका उद्देश्य इस अवैध ड्रग व्यापार से जुड़े अन्य साथियों की पहचान करना और उन्हें पकड़ना है।

नशे में महिला कार सवार ने बैरिकेड पर खड़े सिपाही को मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

शाहबाद डेयरी इलाके में एक 40 वर्षीय महिला ने नशे की हालत में अपनी कार से पुलिस बैरिकेड को टक्कर मार दी। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह घटना 24 दिसंबर की रात को सामने आई थी। नियमित जांच के तहत पुलिस ने अस्थायी जांच चौकी बनाई थी। इसी दौरान एक सफेद रंग की कार ने बैरिकेड पर तैनात एक पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी। इसके बाद महिला ने खुद को कार के अंदर बंद कर लिया। घंटों तक महिला कार में ही बैठी रही। थाने के अन्य स्टाफ के मौके पर पहुंचने के बाद महिला कार से बाहर आई। वह नशे में धुत थी। महिला की पहचान रोहिणी के सेक्टर-16 निवासी आरती जैन के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि महिला किसी जन्मदिन की पार्टी में शराब का सेवन करने के बाद खुद कार ड्राइव कर अपने घर जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि कांस्टेबल की हालत स्थिर है। लापरवाही से वाहन चलाने और दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में मामला दर्ज कर महिला को गिरफ्तार किया गया और उसकी कार भी जब्त की गई। आरोपी महिला निजी क्षेत्र में काम करती है। पुलिस ने बताया कि चिकित्सकीय और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नई ईवी पॉलिसी से बदलेगी दिल्ली की हवा और भविष्य

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का हरित दिल्ली की ओर एक निर्णायक कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

प्रदूषण से मुक्त, आधुनिक और सस्टेनेबल दिल्ली के निर्माण की दिशा में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। आने वाले वित्तीय वर्ष से लागू होने वाली नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) पॉलिसी राजधानी की परिवहन व्यवस्था को हरित, स्मार्ट और नागरिक-अनुकूल बनाने का सशक्त माध्यम बनेगी।

यह पॉलिसी केवल वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य दिल्लीवासियों की जीवन-गुणवत्ता में वास्तविक सुधार लाना है। वाहनों से निकलने वाला धुआँ राजधानी में प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। ईवी को प्राथमिक विकल्प बनाकर सरकार पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे प्रदूषकों में प्रभावी कमी लाने की दिशा में काम कर रही है।

नई ईवी पॉलिसी के अंतर्गत पुराने पेट्रोल-डीज़ल वाहनों को स्क्रैप करने पर प्रोत्साहन, ईवी खरीद पर आकर्षक सब्सिडी, तथा रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क से छूट जैसी सुविधाएँ दी जाएंगी, ताकि हर मध्यमवर्गीय परिवार के लिए ईवी खरीदना आसान हो सके।

दिल्ली सरकार शहरभर में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के व्यापक विस्तार पर भी काम कर रही है। अब केवल सार्वजनिक स्थलों पर ही नहीं, बल्कि आवासीय कॉलोनियों के पास भी चार्जिंग प्वाइंट्स स्थापित किए जाएंगे। बैटरी स्वैपिंग और सुरक्षित बैटरी निस्तारण जैसी सुविधाएँ भी विकसित की जा रही हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेट ज़ीरो 2070 के संकल्प को साकार करते हुए दिल्ली सरकार ईवी को भविष्य नहीं, बल्कि आज की आवश्यकता मानती है। सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है—दिल्ली को भारत की ईवी राजधानी बनाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और बेहतर जीवन सुनिश्चित करना।

दिल्ली सरकार का साझा परिवहन को बढ़ावा कम वाहन, कम प्रदूषण, अधिक सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राजधानी में प्रदूषण और ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए साझा परिवहन को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि दिल्ली की सड़कों पर वाहनों की संख्या घटाए बिना प्रदूषण नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इसी सोच के तहत कार पूलिंग और साझा टैक्सी सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

कार पूलिंग से न केवल यात्रियों को किफायती और सुविधाजनक विकल्प मिलता है, बल्कि सड़क पर चलने वाले वाहनों की संख्या भी कम होती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ओला, ऊबर जैसी ट्रांसपोर्ट नेटवर्क कंपनियों के साथ लगातार संवाद कर रही है ताकि साझा राइडिंग को बढ़ावा मिले और महिला चालकों की भागीदारी सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल सिर्फ प्रदूषण नियंत्रण का उपाय नहीं, बल्कि दिल्लीवासियों की जीवन गुणवत्ता सुधारने और सड़कों पर सुरक्षित व सुगम यात्रा सुनिश्चित करने का दीर्घकालीन मॉडल है।

1.) कार पूलिंग और साझा टैक्सी को दिया जा रहा बढ़ावा
2.) महिला चालकों की भागीदारी बढ़ेगी
3.) ओला, ऊबर जैसी ट्रांसपोर्ट नेटवर्क कंपनियों से चल रहे है संवाद
4.) दिल्लीवासियों के लिए किफायती और आरामदायक विकल्प

भारी एंटी-स्मॉग गनों की जगह, धूल और प्रदूषण पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम के साथ होगा नियंत्रण

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण को कम करने और राजधानी की हवा को शुद्ध बनाने के लिए निरंतर और प्रभावी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने बताया कि राजधानी में पुराने और भारी एंटी-स्मॉग गन की जगह अब मिस्ट स्प्रे सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं। यह नई तकनीक हल्की, पर्यावरण-अनुकूल और प्रभावी है, जो हवा में फैलती धूल और प्रदूषक कणों को कम करती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजधानी में 148 बड़े कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, मॉल, होटल और ऑफिस भवनों में अब तक एंटी-स्मॉग गनें लगी थीं, जो केवल एक दिशा में काम करती थीं और बहुत पानी खपत करती थीं। मिस्ट स्प्रे सिस्टम इनकी जगह लेकर हवा में घुलते प्रदूषण कणों को नियंत्रित करने में अधिक प्रभावी साबित होंगे।

मिस्ट स्प्रे सिस्टम कई दिशाओं में जल का छिड़काव करता है, कम पानी की खपत करता है और आस-पड़ोस की हरियाली के लिए भी लाभकारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ऐसे आधुनिक उपायों के माध्यम से राजधानी को स्वस्थ और प्रदूषण-मुक्त बनाने की दिशा में अग्रसर है।

साथ ही, दिल्ली में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन की संख्या बढ़ाई जा रही है, ताकि प्रदूषण पर डेटा-ड्रिवन नियंत्रण उपाय किए जा सकें। इस पहल से राजधानी के विभिन्न हिस्सों में हवा की गुणवत्ता पर लगातार निगरानी होगी और समय पर कार्रवाई संभव होगी।

DIP/Shabdarth/Advertorial/0108/25-26

नई दिल्ली
रविवार, 28 दिसंबर, 2025
पौष मास शुक्ल पक्ष,
अष्टमी/नवमी वर्ष : 29, अंक : 255
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 21
न्यून. 08

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

अरिस्टा नेटवर्क्स की प्रेसिडेंट और सीईओ

भारतीय मूल की जयश्री उल्लाल दुनिया की 'सबसे अमीर सीईओ'

- उल्लाल की नेटवर्थ 50170 करोड़ रुपए
- माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ नडेला की 9770 करोड़
- पिचाई 5810 करोड़ के साथ 7वें स्थान पर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अच्छी खबर

जब भी भारतीय मूल सबसे अमीर एग्जीक्यूटिव्स के बारे में बात आती है तो आपके ध्यान में सत्य नडेला और सुंदर पिचाई जैसे लोगों का नाम आता है। लेकिन, इसके बावजूद, नडेला और पिचाई में से कोई भी भारतीय मूल के टॉप सीईओ लिस्ट में पहले पायदान पर नहीं है। जी हां, ये ताज, अरिस्टा नेटवर्क्स की प्रेसिडेंट और सीईओ जयश्री उल्लाल को मिला है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के अनुसार अब अरिस्टा नेटवर्क्स की प्रेसिडेंट और सीईओ जयश्री उल्लाल दुनिया की सबसे अमीर भारतीय ⏭शेष पेज 7 पर

जयश्री उल्लाल

जानें कौन हैं जयश्री उल्लाल?

जयश्री उल्लाल का जन्म 27 मार्च 1961 को लंदन में हुआ था। उल्लाल जब 5 साल की थीं, तभी उनका परिवार भारत आ गया था। उल्लाल के पिता एक फिजिसिस्ट थे और भारत के शिक्षा मंत्रालय के साथ काम करते थे। इंडियन इंस्टिट्यूट्स ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) को बनाने में उल्लाल ⏭शेष पेज 7 पर

पूर्व सीएम सिंह ने शेयर की मोदी-आडवाणी की तस्वीर, जिसमें मोदी नीचे बैठे दिख रहे

दिग्विजय ने संघ-भाजपा की तारीफ की, कहा-संगठन की ताकत जय सियाराम, फिर पलटे...बोले मैं इनका विरोधी, हमेशा ही रहूंगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शनिवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक शुरू होने से ठीक पहले अचानक चर्चा में आ गए। कारण है उनका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के ⏭शेष पेज 7 पर

तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि आरएसएस का एक जमीनी स्वयंसेवक और भाजपा का जमीनी कार्यकर्ता किस प्रकार नीचे बैठकर मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना

आडवाणी के साथ पीएम मोदी

सिंह बोले- लोगों ने मेरी बातों को गलत समझा

सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद पार्टी सांसद दिग्विजय सिंह से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने संगठन को फिर से सक्रिय करने की बात की, तो उन्होंने इस पर अपनी सफाई। उन्होंने कहा कि दरअसल, ⏭शेष पेज 7 पर

राहुल-प्रियंका के साथ पीएम मोदी को भी किया टैग

इस पोस्ट को और ज्यादा चर्चा में लाने वाली बात यह है कि दिग्विजय सिंह ने इसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी टैग किया। इसके ⏭शेष पेज 7 पर

मोदी सरकार ने मनरेगा को क्रूरता से किया ध्वस्त : खड़गे

मनरेगा पर सियासत तेज, कांग्रेसियों ने शपथ ली, 5 जनवरी को देश भर में करेंगे विरोध

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज मोदी सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को "क्रूरता से ध्वस्त" करने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे संविधान के नीति-निदेशक तत्वों पर सीधा हमला और करोड़ों ग्रामीण गरीबों के साथ विश्वासघात बताया।

कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि मनरेगा को कमजोर किए जाने से देश के करोड़ों गरीब और वंचित नागरिक "बेबस" हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने यह कदम बिना किसी गंभीर अध्ययन, राज्यों से परामर्श और संसद में व्यापक सहमति के उठाया। आगामी पांच जनवरी को देश भर में मनरेगा को बदलकर जी राम जी विधेयक लाए जाने पर कांग्रेस पार्टी जमकर विरोध करेगी। रविवार को हुई सीडब्लूसी ⏭शेष पेज 7 पर

मनरेगा को कमजोर करना राष्ट्रपिता का अपमान

खड़गे ने वरिष्ठ नेताओं से अटे पड़े कार्यसमिति की बैठक में कहा कि मनरेगा महात्मा गांधी के सर्वोदय के विचार का साकार रूप था और इसे विश्व का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम माना जाता रहा है। उन्होंने इसे कमजोर करना राष्ट्रपिता का अपमान बताया। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के हवाले से उन्होंने कहा कि "मनरेगा की मौत" के दीर्घकालिक आर्थिक और मानवीय दुष्परिणाम होंगे और यह एक सामूहिक नैतिक विफलता है।

मनरेगा से ग्रामीण पलायन में कमी आई

खड़गे ने 2 फरवरी 2006 को आंध्र प्रदेश के बंडलापल्ली में सोनिया गांधी और तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा मनरेगा की शुरुआत को याद करते हुए कहा कि इस योजना से ग्रामीण पलायन में कमी आई ⏭शेष पेज 7 पर

कॉरपोरेट घरानों को प्राथमिकता दे रही

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यूपीए सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 41 को मजबूत करते हुए काम का अधिकार, भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे अधिकारों को व्यवहार में उतारा, जबकि भाजपा सरकार इन अधिकार-आधारित गारंटियों को योजनाबद्ध तरीके से खत्म कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार गरीबों के कल्याण के बजाय कुछ बड़े कॉरपोरेट घरानों के मुनाफे को प्राथमिकता दे रही है, जबकि महात्मा गांधी विशेषाधिकार और एकाधिकार के विरोधी थे।

500 जिलों में जिलाध्यक्ष नियुक्त

संगठनात्मक मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 'संगठन सृजन अभियान' के तहत लगभग 500 जिलों में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति पूरी हो चुकी है और शेष नियुक्तियां 120 दिनों के भीतर कर ली जाएंगी। उन्होंने 2026 में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बूथ से लेकर राज्य स्तर तक पार्टी को मजबूत करने पर जोर दिया।

एसआईआर लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा

खड़गे ने एसआईआर को लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए "गंभीर खतरा" बताया और भाजपा तथा निर्वाचन आयोग के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विशेषकर हाशिए पर पड़े समुदायों के मतदाताओं के नाम काटे जाने या स्थानांतरित किए जाने से रोकने का आह्वान किया। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर (आईटी) और सीबीआई जैसी एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखेगी।

देशव्यापी संघर्ष करेंगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हालिया हमलों की निंदा की। साथ ही क्रिसमस समारोहों के दौरान हुई घटनाओं पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस से जुड़े संगठनों ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की, जिससे भारत की ⏭शेष पेज 7 पर

मनोज ने कुछ दिन पहले घर को आग लगाने की कोशिश की थी

यूएस में अपने परिवार को आगजनी की धमकी देने वाला भारतवंशी गिरफ्तार

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अपने ही परिवार को आग के हवाले करने की कोशिश की और उसी के साथ परिजनों को आतंकी धमकी भी दे डाली। मामला अमेरिका के टेक्सास के रहने वाले एक भारतवंशी युवा

छात्र मनोज साई लेल्ला से जुड़ा हुआ है, जिसे उसके परिवार वालों ने मानसिक स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित होने का जिक्र करते हुए दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मनोज टेक्सास के ही डलास विश्वविद्यालय का छात्र भी है। उसके परिजनों ने पुलिस को अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि उसने कुछ दिन पहले घर के एक भाग में संभवतः पूजा स्थल में आग लगाने की कोशिश की थी और उसके बाद वह परिवार के लोगों को भी लगातार जानलेवा धमकी दे रहा है।

आरोप साबित होने पर बढ़ेंगी मुश्किलें

अमेरिका की पुलिस ने कहा कि मनोज पर लगाए गए आरोप प्रथम श्रेणी के गंभीर अपराधों में शामिल हैं। परिवार के सदस्यों को दी गई आतंकवादी धमकी देश के अंदर 'ए' श्रेणी का अपराध माना जाता है। पूजा स्थल को लेकर पुलिस को फिलहाल कोई सबूत नहीं मिला है। लेकिन उसका कहना है कि अगर मनोज पर परिजनों द्वारा लगाए गए तमाम आरोप साबित हो जाते हैं तो उसकी मुश्किलें काफी बढ़ जाएंगी। जिसमें ये भी संभव है कि उसे 1 लाख से लेकर 3,500 डॉलर तक का जुर्माना देना पड़े।

कर्नाटक के कारवार जाएंगी राष्ट्रपति

आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी पनडुब्बी की सवारी

नेवी के कलवरी क्लास सबमरीन में यात्रा करेंगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज यानी 28 दिसंबर को इंडियन नेवी के सबमरीन (पनडुब्बी) मे सवारी करेंगी। वे सबमरीन में सी-सॉर्टी करेगी। इसके लिए राष्ट्रपति कारवार (कर्नाटक का उत्तरी कन्नड़ जिला) जाएंगी। कारवार को कर्नाटक का कश्मीर भी कहा जाता है। वहां नेवी के कलवरी क्लास सबमरीन में राष्ट्रपति जाएंगी। राष्ट्रपति पिछले साल नेवी के पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर में भी गई थी। इसी साल अक्टूबर मे राष्ट्रपति ने एयरफोर्स के फाइटर जेट रफाल मे भी उड़ान भरी थी। कलवरी क्लास की पनडुब्बी एक ऐसी खास पनडुब्बी है जो दुश्मन के रडार को चकमा दे सकती है।

पानी में चलते समय यह बिल्कुल आवाज नहीं करती। यह पनडुब्बी 50 दिनों तक पानी के अंदर रह सकती है और 350 फीट की गहराई तक जा सकती है। इसमें 8 सैन्य अधिकारी और 35 नाविकों को तैनात किया जा सकता है।

बीसीसीआई ने किया अंडर-19 विश्व कप टीम का ऐलान

टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी, 3 वन डे मैच खेलेगी

आयुष म्हात्रे को मिली कप्तानी, वैभव सूर्यवंशी भी हिस्सा, आयोजन 15 जनवरी से 6 फरवरी तक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अंडर-19 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया का ऐलान कर दिया। इस टीम की कमान आयुष म्हात्रे को सौंपी गई है, जबकि विहान मल्होत्रा को उपकप्तानी मिली है। इस टीम में विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। इससे पहले टीम इंडिया अगले साल की शुरुआत में तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। अंडर-19 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम ही इस सीरीज में भी खेलेगी। ⏭शेष पेज 7 पर

भारत ग्रुप बी में शामिल

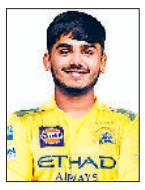
आयुष म्हात्रे

वैभव सूर्यवंशी

अंडर-19 विश्व कप का आयोजन 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। 16 टीमों का चार ग्रुप में बांटा गया है। पांच बार की अंडर-19 विश्व कप विजेता भारतीय टीम को ग्रुप बी में न्यूजीलैंड, अमेरिका और बांग्लादेश के साथ शामिल किया गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 जनवरी से अमेरिका के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद टीम का सामना 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड से होगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला हरारे में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर वैभव होंगे टीम के कप्तान

टीम इंडिया तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। अंडर-19 वनडे विश्व कप से पहले यह सीरीज भारत के लिहाज से काफी अहम है। आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। दोनों कलाई की चोट से जूझ रहे हैं। ऐसे में बोर्ड ने वैभव सूर्यवंशी को कप्तान और आरोन जॉर्ज को उपकप्तान नियुक्त किया है। तीनों मुकाबले क्रमशः 3 जनवरी,5 जनवरी और 7 जनवरी को विलोमोर पार्क में खेले जाएंगे।

छोटे और मंझोले उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़

राज्यों में बैंकिंग सहायता के प्रभाव की समीक्षा की

पोर्ट ब्लेयर में बृजमोहन अग्रवाल का बैंकों से संतुलित ऋण वितरण का आह्वान

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल शनिवार को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में लोकसभा की एस्टीमेट कमेटी की बैठक में शामिल हुए । बैठक का मुख्य विषय "एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने में बैंकों की भूमिका" रहा। जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर छत्तीसगढ़ जैसे औद्योगिक और उद्यमशीलता की अपार संभावनाओं वाले राज्यों में बैंकिंग सहायता की प्रभावशीलता की समीक्षा की। ⏭शेष पेज 7 पर

टैलेंट और संसाधनों की कमी नहीं

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, "छत्तीसगढ़ और अंडमान-निकोबार जैसे क्षेत्रों में टैलेंट और संसाधनों की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो केवल बैंकों की सकारात्मक सोच और संतुलित नीति की। बड़े उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर-दोनों को समान महत्व देकर ही समावेशी विकास संभव है।" बैठक में सुझाव दिया गया कि, ⏭शेष पेज 7 पर

छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाएं

बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बैंकों को स्पष्ट सुझाव देते हुए कहा कि एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में यदि बैंक प्रो-एक्टिव अप्रोच अपनाएं, तो स्थानीय युवाओं, कारीगरों और छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। उन्होंने बैंकों को सुझाव दिया कि, पहली पीढ़ी के उद्यमियों को ऋण देते समय अत्यधिक ⏭शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

दुकान का ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी

फरीदाबाद। मलेरना रोड स्थित एक दुकान का ताला तोड़ कर चोर हजारों रुपये का सामान चोरी करके ले गए। सेक्टर-62 हाउसिंग बोर्ड कालोनी के रहने वाले रंजीत ने बताया कि उसकी मलेरना रोड पर इलेक्ट्रानिक्स का सामान बेचने की दुकान है। वह अपनी दुकान को बंद करके घर चला गया। जब वह सुबह दुकान को खोलने के लिए आया तो देखा कि ताला टूटा हुआ था और सारा सामान इधर-उधर फैला हुआ था।

ठगी के मामले दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। यूएलबी हरियाणा का कर्मचारी बनकर 2,32,221 रुपये की ठगी के मामले में साईबर थाना एनआईटी की टीम ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एनआईटी फरीदाबाद निवासी एक महिला ने साइबर थाना एनआईटी में दी राहुल नाम के व्यक्ति से फोन पर बात की जिसने स्वयं को यूएलबी हरियाणा का कर्मचारी बताया लिंक पर क्लिक करते ही शिकायतकर्ता का फोन हैक हो गया और उसके क्रेडिट कार्ड से 2,32,221 रुपए कट गए।

पुलिस लाइन में सामूहिक गतिविधि आयोजित

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस के स्टूडेंट पुलिस कैडेट (एसपीसी) कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, सेक्टर-30 में मासिक सामूहिक गतिविधि का सफल आयोजन किया गया। इस गतिविधि में जिले के 14 विद्यालयों के कुल 435 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर एनडीआरएफ की टीम द्वारा कैडेट्स एवं डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन के विषय में व्यावहारिक डेमो के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी गई।

सेंट्रल और स्टारवुड पार्क के विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शुरू

पर्यावरण मंत्री ने मालिबू टाउन में विकास कार्यों का किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने शनिवार को नगर निगम गुरुग्राम द्वारा मालिबू टाउन क्षेत्र में कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

शिलान्यास किए गए कार्यों में मालिबू टाउन में अंडरग्राउंड वाटर टैंक का निर्माण, स्टारवुड एवं जीएस ब्लॉक, मालिबू टाउन वार्ड-11 में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य, तथा सेंट्रल पार्क (डब्ल्यूएडब्ल्यू-82) और स्टारवुड पार्क के विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर राव नरबीर सिंह ने कहा कि क्षेत्र में प्रस्तावित सभी विकास कार्यों को चरणबद्ध और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। सरकार इस दिशा में पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नागरिकों द्वारा बताए गए सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा।

क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने मालिबू टाउन को गुरुग्राम का सबसे हरियाली वाला सेक्टर बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से एक बेहतर, स्वच्छ और विकसित गुरुग्राम का निर्माण संभव है, जिससे आने वाली पीढ़ियो का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बन सके। इस अवसर पर बादशाहपुर के एसडीएम संजीव सिंगला, वार्ड नंबर-11 के पार्षद कुलदीप यादव, फेडरेशन आरडब्ल्यूए के चेयरमैन विजयनाथ, सेक्टर-47 के प्रेसिडेंट वीरेंद्र त्यागी, स्टारवुड मालिबू टाउन के प्रेसिडेंट डी.वी. मिश्रा, एमटीआरडब्ल्यू की वाइस प्रेसिडेंट मनीता जैन तथा सीनियर रेजिडेंट मधु उपस्थित रहीं। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने सेक्टर-22 स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में सिख धर्म के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के 359वें पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर मत्था टेका और प्रदेश व देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन साहस, त्याग और मानवता की रक्षा के लिए समर्पित रहा है। गुरुद्वारों के माध्यम से बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराया जाता है, जहां कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं लौटता।

कार्यक्रम में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, सेक्टर-22 के प्रेसिडेंट हरविंदर सिंह नंदा, वाइस प्रेसिडेंट तरनदीप सिंह, जॉइंट सेक्रेटरी गुरमीत सिंह तथा सेक्रेटरी एन.एस. काबा उपस्थित रहे।

धूमधाम के साथ मनाया केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी का जन्मदिन

चौधरी चरण सिंह के पदचिन्हों पर चल रहे हैं जयंतः चेयरमैन बिड्डी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय कौशल और शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र भार) चौधरी जयंत सिंह का जन्मदिन राष्ट्रीय लोकदल कार्यकर्ताओं ने धूमधाम के साथ मनाया। रालोद के जिला कार्यालय पर केक काटकर और गुड़ बांटकर धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सभी ने नेता के प्रति अपने विचार भी रखे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने की जबकि संचालन प्रदीप मुखिया ने किया। मुख्य वक्ताओ में चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा कि चौधरी जयंत सिंह की लम्बी उम्र हो व हमेशा खुश व स्वस्थ रहें, और स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के पदों तक पहुंचे। और किसानों और नौजवानो कि आवाज को यूं ही बुलंद करते रहें।

लोनी के पूर्व चेयरमैन मनोज धामा, ने कहा हमारे नेता जैसा कोई नेता नहीं हो सकता जयंत चौधरी 36 बिरादरी के नेता है हमारे नेता को जन्मदिन की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं अन्य सभी वक्ताओं ने जयंत सिंह जी को शिखर तक राजनीति में पहुंचाने का संकल्प लिया किशन सिंह राघव, सत्येंद्र तोमर, ओ डी. त्यागी, रामभरोसे लाल मौर्य, अरुण दहिया, सुरेन्द्र तेवतिया, योगेंद्र पतला, मनोज राठी, योगेश फफराना, देशपाल दुहाई, नरेंद्र जाटव, ओमपाल, यश गौतम, विनोद गौतम, राजू गौतम, अलोक चौधरी, कृष्ण चेम्पियन, हिमांशु नगर शिव कुमार पंवारिया, अवधेश दीक्षित,रामावतार त्यागी, मनोज त्यागी, कुलदीप डागर, ललित सैन, सुमन चौधरी, ज्योति कसाना, राखी सिंधु, अर्चना सिंह, नीरज नवीपुर, ऋषिपाल, सतपाल सलेमबाद, पप्पू मिलाकचकरपुर, सरताज खान, हिमांशु नागर, अंकुर त्यागी, विनोद चौधरी, आदि इस अवसर पर मौजूद रहे। रालोद के उपाध्यक्ष(अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) सदस्य (यूपी) अर्बन कमेटी सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू ने पार्टी के कुछ साथियों के साथ फल वितरित करके जन्मदिवस की खुशी अनाथ आश्रम के बच्चों के साथ ख़ुशी को बांटा।

जाति सभी धर्म के लोगों के लोगों को साथ लेकर पार्टी को आगे बढा रहे है चौधरी जयंत सिंह जी को जो विरासत में मिला है उस विरासत को सभी जाति सभी धर्म के लोगों को साथ लेकर पार्टी को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं देश का युवा चौधरी जयंत जी के अंदर अपना भविष्य देख रहा है देश के किसान को भी लग रहा है जो देश की बड़ी पंचायत में जाकर हमारी बात को रख सकता है अनाथ आश्रम में फल वितरित करते समय उपस्थित लोगों में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदरजीत सिंह टीटू अर्बन कमेटी राष्ट्रीय लोकदल के अलावा अमित त्यागी पूर्व जिलाध्यक्ष सदस्य जिला पंचायत विजय कौशिक राष्ट्रीय महासचिव खेल प्रकोष्ठ विवेक शर्मा करण शर्मा आदि।

राजनैतिक द्वेष भावना के तहत लोगों को उजाड़ने पर तुली भाजपा सरकारः रूपचंद लांबा

फरीदाबाद। इंडियन नेशनल लोकदल के जिलाध्यक्ष रूपचंद लाम्बा ने कहा है कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का फर्क है, जो यह कहते है, उसे कभी पूरा नहीं करते, जबकि इतिहास गवाह है कि इनेलो पार्टी ने सदैव गरीब, पिछड़े, दलित और सर्व समाज की आवाज बुलंद की है और आज वह बड़ौली गांव के लोगों को आश्वासन देते है कि उनके हक-हकूक की आवाज को पुरजोर तरीके से बुलंद करेंगे और उनके आशियाने किसी कीमत पर नहीं टूटने देंगे।

रुपचंद लाम्बा शनिवार को गांव बड़ौली में घर बचाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर जारी धरने-प्रदर्शन में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। श्री लांबा ने कहा कि बेशक केंद्रीय राज्य मंत्री व राज्यमंत्री ने ग्रामीणों को आश्वासन दे दिया है, लेकिन जब तक सरकार यहां के मकानों को तोड़ने के लिए नोटिफिकेशन जारी नहीं करती, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार शहर का विकास करने के बजाए लोगों के घरों को उजाड़ने का काम कर रही है, फरीदाबाद में वर्षो से बसी हुई कालोनियों व गांवों को राजनैतिक द्वेष भावना के तहत उजाड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

सीएम ने गलगोटियाज विवि की प्रगति की सराहना की

गलगोटियाज यूनिवर्सिटी की वैश्विक रैंकिंग व नवाचार को मुख्यमंत्री योगी ने सराहा

एजेंसी ⏭ नोएडा

भारत और वैश्विक शिक्षा परिदृश्य में उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठा जिस तेजी से बढ़ रही है, उसमें गलगोटियाज यूनिवर्सिटी अहम योगदान कर रही है। इस बारे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में एक विशेष संवाद के दौरान विश्वविद्यालय की खास तौर पर सराहना की।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स और टाइम्स हायर एजुकेशन में विश्वविद्यालय के प्रभावशाली प्रदर्शन की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने गलगोटियाज विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक अग्रणी उदाहरण तथा राज्य का गौरव बताया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार-आधारित शिक्षण और वैश्विक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो प्रदेश को एक उभरते ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है। इस विशेष संवाद के दौरान गलगोटियाज यूनिवर्सिटी के चांसलर सुनील गलगोटिया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि, 'उनके कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का शासन और विकास मॉडल अन्य राज्यों के लिए बड़ा उदाहरण बन गया है। राज्य के गवर्नेंस मॉडल की पूरी दुनिया में सराहना हो रही है। इस क्षेत्र में बन रहे जेवर एयरपोर्ट से देश के लाखों युवाओं को नौकरियां मिलेंगी। यहां जिस व्यापक स्तर पर इंडस्ट्री हब तैयार हो रहा है, उसकी पूरे देश में कोई दूसरी मिसाल नहीं है। सीएम योगी ने विश्वस्तरीय अकादमिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में गलगोटियाज विश्वविद्यालय के सतत प्रयासों की जमकर सराहना की और विश्वविद्यालय को वैश्विक रैंकिंग में और अधिक ऊंचाई प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए अपना आशीर्वाद दिया। संवाद का एक प्रमुख आकर्षण गलगोटियाज विश्वविद्यालय के जी स्केल यानी गलगोटियाज स्टूडेंट-सेंटर्ड एक्टिव लर्निंग इकोसिस्टम की मुख्यमंत्री द्वारा तारीफ रहा, जो भविष्य के लिए तैयार अकादमिक मॉडल है। विश्वविद्यालय की शिक्षण प्रणाली को सिंगापुर स्थित नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के साथ गठजोड़ कर उसके इंस्पायर मॉडल से और सशक्त किया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की मानकीकृत शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीएम ने विश्वविद्यालय के एआइ, सेमीकंडक्टर एवं रिसर्च तथा ड्रोन टेक्नोलॉजी से जुड़े शैक्षणिक नवाचार कार्यक्रमों को लेकर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। ऐसे भविष्य-केंद्रित नवाचार न केवल छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाते हैं, बल्कि प्रदेश और भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भी सशक्त करते हैं। गलगोटियाज विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्साहवर्धक शब्दों और आशीर्वाद से हम अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

क्यूएस और द रैंकिंग्स में गलगोटिया विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को लेकर उनकी सराहना हमारे प्रयासों की सशक्त पुष्टि है। हमारा जी-स्केल लर्निंग इकोसिस्टम, सिंगापुर स्थित नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी का इन्स्पायर मॉडल तथा एआई, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में की जा रही पहल हमें भविष्य-उन्मुख अकादमिक वातावरण के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं। हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक गंतव्य बनाने में सार्थक योगदान देना और ऐसे नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण करना है जो भारत की विकास गाथा को आगे बढ़ाएं।

2 अलग-अलग मामलों में 6 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर 21.142 किलो गांजा किया बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के अंतर्गत फरीदाबाद पुलिस ने नशा तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 26 दिसंबर को दो अलग-अलग मामलों में 45.31 ग्राम स्मैक व 21.142 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 26 दिसंबर को क्राईम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने उत्तर प्रदेश निवासी ब्रह्म (काल्पनिक नाम) को 45.31 ग्राम स्मैक सहित फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 लाख के करीब है। अपराध शाखा की टीम ने आगामी कार्रवाई करते हुए उसके एक अन्य सहयोगी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसी प्रकार क्राईम ब्रांच उंचा गांव की टीम ने शाहरुख निवासी अलीगढ उत्तर प्रदेश, नजीम निवासी बुलंदशहर उत्तर प्रदेश, अफसर खान व इरसाद निवासी निवासी एसजीएम नगर फरीदाबाद को 21.142 किलोग्राम गांजा सहित सेक्टर 58 फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के अंतर्गत फरीदाबाद पुलिस की इसी प्रकार से कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सभी साथियों को बधाई देकर संघ के संविधान की शपथ दिलवाई

सैनिटेशन स्टाफ यूनियन का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की इकाई सैनिटेशन स्टाफ यूनियन के प्रधान, सचिव, कैशियर को छोड़कर अन्य पदों पर सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न करवाकर संघ के संविधान की शपथ ग्रहण करवाई गई।

शनिवार को कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान दलीप बोहत ने की मंच संचालन जिला सचिव अनिल चिंड़ालिया ने किया। सैनिटेशन स्टाफ यूनियन के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्य रूप से संघ के राज्य उप महासचिव सुनील चिंड़ालिया एवं राज्य के सह सचिव वेद प्रकाश शर्मा एवं बेलदार कर्मचारी यूनियन के प्रधान हेमवती नंदन शामिल रहे। सैनिटेशन स्टाफ यूनियन की सभा को संबोधित करते हुए सभी चुने हुए साथियों को बधाई देकर संघ के संविधान की शपथ दिलवाई। सुनील चिंड़ालिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाला समय संघ के लिए संघर्ष से भरा रहेगा। 12 फरवरी 2026 को एक दिवसीय राष्ट्रीय हड़ताल एवं 19 व 20 मार्च की राज्य स्तरीय हड़ताल रहेगी। प्रदेश की मौजूदा सरकार लगातार कर्मचारियों की मांग समस्याओं को अनदेखा कर रही सरकार लगातार निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। प्रदेश की पालिका, परिषद, निगमों में हजारों पद विभिन्न विभागों खाली पड़े हैं सरकार इन रिक्त पदो को न भरके आउटसोर्स कर रही। प्रदेश के हजारों कर्मचारियों को सरकार 58 साल की झूठी गारंटी दे रही है। संघ सरकार के रवैए से नाराज है इसलिए कर्मचारियों को मजबूरन आंदोलन करना पड़ रहा है। सैनिटेशन स्टाफ यूनियन के चुने गए पदाधिकारी प्रधान राहुल सिंह चिंडालिया, सचिव विशाल पारचा, कैशियर वीरेंद्र नागर आदि।

भाजपा महानगर महिला मोर्चा की संगठनात्मक बैठक

नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ संगठन को मिली मजबूती

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद महानगर महिला मोर्चा की एक प्रभावशाली संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता संगठनात्मक अध्यक्ष श्रीमती ममता राघव ने की। बैठक में फरीदाबाद महानगर जिलाध्यक्ष सोहन पाल सिंह एवं अनुराग गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी श्रीमती आशा गगन गोयल एवं प्रदेश कार्यालय सचिव श्रीमती अनीता शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर जिला महामंत्री श्रीमती टीना परासर, श्रीमती संगीता नेगी सभी नवनियुक्त महिला मंडल अध्यक्ष तथा महिला मोर्चा की समर्पित एवं कर्मठ कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक उपस्थित रहीं।

बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि महिला मोर्चा भाजपा संगठन की सशक्त धुरी है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई दिशा, नई सोच और नई गति प्राप्त हो रही है। नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त की गई कि वे पार्टी की विचारधारा एवं केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी।

आसाराम बापू आश्रम में तुलसी पूजन दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

भांखरी गांव में स्थित संतश्री आसाराम बापू आश्रम में बापू के साधकों द्वारा तुलसी पूजन दिवस मनाया गया। परम पूज्य संत से आसाराम बापू जी की प्रेरणा से तुलसी पूजन दिवस पूरे-देश में एवं विदेशों में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, तुलसी पूजन का यह कार्यक्रम करीब 10 से 15 दिन पहले विभिन्न-विभिन्न स्कूलों में जाकर शुरू किया जाता है। स्कूलों में बापूजी के शिष्य एवं साधक मिलकर बच्चों को तुलसी पूजन की विधि बताते हैं एवं तुलसी विशेषताएं बच्चों को समझते हैं।

व्हीलचेयर क्रिकेट मैच में दिल्ली ने हरियाणा को हराया

दिव्यांग खिलाड़ी हमें गर्व करने के कई मौके दे रहेः प्रांत संघ चालक प्रताप

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

स्पेशल अचीवर्स चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मानव रचना कैम्पस सूरजकुण्ड रोड पर हरियाणा और दिल्ली की टीम के बीच व्हीलचेयर क्रिकेट मैच कराया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस मौके पर स्पेशल अचीवर्स चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा, चेयरपर्सन माधवी हंस, संस्था के ट्रस्टी पंकज हंस, श्रीमति सोनिका हंस और ट्रस्टी टेकचंद नंदराजोग (टोनी पहलवान) ने आए हुए अतिथियों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरियाणा प्रांत के संघ चालक प्रताप, महापौर प्रवीण जोशी, दमन कुमार, जितेन्द्र गुप्ता एसिसटेंट कमिश्नर इन्कम टैक्स, सुरेन्द्र देशवाल, अशोक ढल व मानव रचना के खेल निदेशक सरकार तलवार का फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। अतिथियों ने सिक्का उछालकर मैच की शुरूआत की।

प्रांत संघ चालक प्रताप ने दिव्यांग खिलाडिय़ों को संबोधित करते हुए कहा कि आप दिव्यांग हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप देश को गौरवांवित नहीं कर सकते। हमारे दिव्यांग खिलाड़ी हमें गर्व करने के कई मौके दे रहे है। उन्होंने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक से लेकर पीडी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक दिव्यांग एथलीटों ने खेल के क्षेत्र में देश के लिए उपलब्धियां हासिल की है।

महापौर प्रवीण जोशी ने कहा कि सरकार आपके साथ खड़ी है और आज किसी भी क्षेत्र में किसी से कम नहीं है। स्पेशल अचीवर्स चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा, चेयरपर्सन माधवी हंस ने कहा कि निशक्तों को जो व्यक्ति हीन व कमजोर समझते है। वे खुद ही छोटी सोच वाले है। भगवान की रचना में किसी को ज्यादा मिलता है तो किसी को कम मिलता है, जिनको ज्यादा मिलता है, यह उनका दायित्व बनता है कि वे कमजोर की मदद करें। मनुष्य जीवन में दूसरों के लिए कितने भलाई के काम कर सकता है। इसकी कोई सीमा नहीं है।

संस्था के ट्रस्टी पंकज हंस और ट्रस्टी टेकचंद नंदराजोग (टोनी पहलवान) ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों में उत्साह देखते ही बनता था उनके हौंसले और जूनून को देखकर नहीं लगता था कि वे दिव्यांग है। उन्होंने बताया कि हरियाणा और दिल्ली के बीच हुए मैच में दिल्ली विजयी रही। दिल्ली 19.5 ओवर में 209 रन बनाकर आलआऊट हो गई, स्कोर का पीछा करते हुए हरियाणा की टीम 15.3 ओवर में 76 रन ही बना पाई और यह मैच दिल्ली ने बड़ी आसानी से जीत लिया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राकेश** पुत्रः **दलीप सिंह** पताः **जे–281/37, तीसरा पुस्ता, नई गली नं. 7, उस्मानपुर, दिल्ली** ने case **FIR No. 454/2021 U/s 188 IPC, थानाः कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 454/2021 U/s 188 IPC थानाः कोतवाली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राकेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 30.01.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सायशा चड्ढ़ा
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–08
केन्द्रीय जिला, रूम नं. 272
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/17373/N/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सलीम, पुत्रः इश्तियाक अहमद, निवासीः मकान संख्या ई–11ए/210, शास्त्री पार्क, दिल्ली** ने **FIR No. 427/2014, U/s: 379/304A IPC 3/181 & 146/196 MV Act, पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सलीम** मिल नही रहा है। और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सलीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अभियुक्त **सलीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.01.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री वैभव गर्ग
जेएमएफसी–11, सेंट्रल, पहली मंजिल, कमरा नंबर 138,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/17429/N/2025

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'अटल गार्डन' का किया शिलान्यास किया

उत्तम नगर के लिए लाइफलाइन के रूप में विकसित होगा 'अटल गार्डन': रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तम नगर विधानसभा के लिए 'अटल गार्डन' एक लाइफ लाइन के रूप में विकसित होगा। इस गार्डन में ओपन जिम, एम्फीथिएटर, फूड कोर्ट और छठ घाट सहित अनेक आधुनिक सुविधाएं होगी। यह बात दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को उत्तम नगर विधानसभा क्षेत्र में नजफगढ़ नाले के किनारे विकसित किए जाने वाले 'अटल गार्डन' का शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घनी आबादी के बीच आकार लेता यह गार्डन शहर की सांसों में हरियाली घोलेगा, प्रदूषण के बोझ को हल्का करेगा और नागरिकों को अत्याधुनिक जन सुविधाओं के साथ सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित सार्वजनिक स्थान प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि गार्डन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी और यहां पर देसी प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएंगे, जो पर्यावरण के अनुकूल होंगे। यह परियोजना सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही है। उद्घाटन के अवसर पर सांसद कमलजीत सहरावत, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, विधायक पवन शर्मा, श्याम शर्मा, संदीप सहरावत, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। यह पार्क क्षेत्र के लाखों निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा के रूप में विकसित होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि घनी आबादी वाले क्षेत्रों में ऐसे बड़े, सुव्यवस्थित और बहुउद्देशीय सार्वजनिक स्थलों की अत्यंत आवश्यकता है, जहां परिवार, बच्चे, युवा और बुजुर्ग एक साथ समय बिता सकें, सुकून के पल पा सकें और स्वस्थ जीवनशैली को अपना सकें।

गार्डन के लिए उपलब्ध जमीन पर लगातार होता रहा अतिक्रमण : प्रवेश

नई दिल्ली। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि पिछले वर्षों में उत्तम नगर में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा कोई महत्वपूर्ण विकास कार्य नहीं किया गया। उपलब्ध भूमि पर लगातार अतिक्रमण होता रहा, जबकि स्थानीय नागरिक लंबे समय से एक सुविकसित सार्वजनिक पार्क की मांग कर रहे थे। वर्तमान सरकार ने इस परियोजना की शुरुआत की है और कार्य तेजी से प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि अगले चार महीनों के भीतर यह क्षेत्र एक प्रमुख मनोरंजन और दर्शनीय स्थल में परिवर्तित हो जाएगा।

अटल गार्डन की विशेषताएं

अटल गार्डन परियोजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के निवासियों के लिए एक व्यापक और आधुनिक सामुदायिक स्थान प्रदान करना है। इसके तहत दो छठ घाट का विकास किया जाएगा। गार्डन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी। मनोरंजन और खेल सुविधाओं में 200 व्यक्तियों की क्षमता वाला एक एम्फीथिएटर, ओपन जिम ,एक फूड कोर्ट आदि शामिल होंगे। पर्यावरण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए लगभग 50 एकड़ क्षेत्र को घास से हरा-भरा किया जाएगा, जिसमें अमलतास, नीम, सिरस, गुलमोहर, और आम जैसे विभिन्न प्रकार के कुल 6 हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त एक पैदल पथ, सार्वजनिक मंच, सार्वजनिक शौचालय और सुरक्षा गार्ड कक्षों का भी निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 5100 महिलाओं को दिए निशुल्क उज्ज्वला कनेक्शन

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को त्यागराज स्टेडियम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के पात्र महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन वितरित किए। 5100 पात्र महिलाओं को सिलेंडर व पूरा उज्ज्वला सेट दिया गया। दिल्ली सरकार की यह पहल नारी सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना केवल गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर मां-बहन के जीवन में सम्मान, स्वास्थ्य और स्वच्छता का उजाला फैलाने वाला एक सशक्त अभियान है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू की गई इस योजना के तहत अब तक देशभर में 10 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ मिल चुका है। दिल्ली में भी अब तक लगभग 2.6 लाख परिवार इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं। आज 5,100 बहनों को उज्ज्वला कनेक्शन प्रदान कर उनके जीवन को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्ज्वला योजना महिलाओं के चेहरे पर सुकून और आत्मसम्मान की चमक लेकर आती है। दिल्ली सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र बहन तक उज्ज्वला योजना का लाभ पहुंचे और उनका जीवन अधिक सुरक्षित व स्वस्थ बने।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया उद्घाटन

शालीमार बाग और पीतमपुरा में अटल कैंटीन शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के शालीमार बाग और पीतमपुरा में भी अटल कैंटीन शुरू हो गई है। इन दोनों कैंटीनों का उद्घाटन शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। इन अटल कैंटीनों में मात्र 5 रुपये की दर पर जरूरतमंद लोगों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि इस योजना को लेकर अनेक सामाजिक संगठनों ने रुचि व्यक्त की है। सरकार उनके लिए भी शीघ्र एक विशेष योजना लेकर आएगी, ताकि कोई भी गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति भूखा न रहे। इस अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल, निगम पार्षद अनिता जैन सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक और लाभार्थी उपस्थित रहे। सीएम ने कहा कि यह पहल श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचारों से प्रेरित है, जिनका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना था। उन्होंने कहा कि अटल कैंटीन केवल भोजनालय नहीं हैं, बल्कि दिल्ली के निर्माण और संचालन में जुटे मेहनतकश भाइयों-बहनों के प्रति सरकार की ओर से सम्मान और सहारा देने की एक संवेदनशील पहल हैं। मुख्यमंत्री ने पहले शालीमार बाग में केला गोदाम रोड के समीप स्थित अटल कैंटीन का उद्घाटन किया। उन्होंने स्वयं कैंटीन में भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता तथा पौष्टिकता की सराहना की। इसके पश्चात पीतमपुरा के जीपी ब्लॉक, सेवा बस्ती में अटल कैंटीन का भी शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इस कैंटीन परिसर को एक व्यापक जनसेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां आयुष्मान आरोग्य मंदिर, स्वच्छ शौचालय तथा शुद्ध पेयजल हेतु आरओ प्लांट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

आज से 'अटल स्मृति सम्मेलन' किए जाएंगे आयोजित : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली में आज, 28 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2025 के मध्य दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में 'अटल स्मृति सम्मेलन' आयोजित किए जा रहे हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को घोषणा करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बदलते समय के साथ पार्टी में नये नये कार्यकर्ता जुड़ते रहते हैं और ऐसे सभी कार्यकर्ताओं को स्वर्गीय अटल के जीवन के विभिन्न प्रसंगों से अवगत करा कर उनमें संगठनात्मक चरित्र निर्माण करने के उद्देश्य से इन 'अटल स्मृति सम्मेलनों' का आयोजन किया जा रहा है।

दिल्ली में एक बार फिर बढ़ने लगा वायु प्रदूषण

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर से वायु प्रदूषण का ग्राफ बढ़ने लगा है। वहीं कोहरे ने भी वापस दिल्ली का रुख करना शुरू किया है। जबकि बारिश की उम्मीद लगाए बैठी राजधानी में अभी फिलहाल कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। हालांकि आसमान पर बादल छाए हुए है और अगले कई दिन ऐसे ही छाए रहने की संभावना है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शनिवार सुबह 9 बजे दिल्ली का औसत वायु प्रदूषण सूचकांक (एक्यूआई) 355 दर्ज किया गया जो कि बहुत खराब श्रेणी की हवा है। जबकि स्थानीय स्तर पर आनंद विहार में 411, जहांगीरपुरी में 413, नरेला में 403, नेहरू नगर में 405, रोहिणी में 404, शादीपुर में 406, विवेक विहार में 420 एक्यूआई दर्ज हुआ। जबकि अन्य जगहों पर 300-400 के बीच एक्यूआई दर्ज हुआ। अगर ऐसे ही प्रदूषण का लेवल बढ़ता रहा तो एक बार फिर दिल्ली में ग्रेप चार को लागू करने पर विचार किया जा सकता है।

एक सशक्त और जिम्मेदार समाज की नींव है गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : विजेंद्र

नई दिल्ली। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक सशक्त और जिम्मेदार समाज की नींव है। यह बात शनिवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी सेक्टर–8 स्थित दिल्ली नगर निगम विद्यालय में स्मार्ट कक्षाओं का उद्घाटन करने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि स्मार्ट कक्षाएं केवल तकनीक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह हमारे बच्चों की प्रतिभा को निखारने और सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था में अभिभावकों का विश्वास पुनः स्थापित करने का माध्यम हैं। उद्घाटन समारोह में निगम में नेता सदन प्रवेश वाही, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, निगम के वरिष्ठ अधिकारी, विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षकगण, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के प्रतिनिधि, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने नगर निगम विद्यालयों के पुनरुत्थान की आवश्यकता पर बल दिया।

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश पर्व

नई दिल्ली। सिखों के दशम गुरू, गुरू गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व (जन्म जयंती) को दिल्ली में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। शनिवार को श्रद्धालुओं ने जगह जगह नगर कीर्तन सजाए और संगत ने लंगर आदि का वितरण किया। जबकि इस अवसर पर मुख्य आयोजन गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में आयोजित किया गया। इस बारे में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह साहिब द्वारा सर्वस्व न्योछावर करने की दुनिया में कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। कमेटी द्वारा सरबंसदानी साहिब-ए-कमान गुरु गोबिंद सिंह साहिब जी का प्रकाश पर्व आज पूर्ण श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

हरियाणा सरकार

"हमारी सरकार सभी श्रमिकों के लिए एक उदार और व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।"
- नरेन्द्र मोदी

निर्माण श्रमिकों के लिए
निर्वाह भत्ता योजना

• क्या आप निर्माण गतिविधियों में संलग्न हैं?
• क्या वायु प्रदूषण के कारण निर्माण गतिविधियों के बंद होने से आपका रोज़गार प्रभावित हुआ है ?

एन.सी.आर. क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों के बंद होने से प्रभावित पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को निर्माण कार्य बंद रहने तक हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा **प्रति सप्ताह 2602 रुपये की आर्थिक सहायता** (निर्वाह भत्ता) प्रदान की जा रही है।

प्रभावित पंजीकृत निर्माण श्रमिक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट
www.hrylabour.gov.in पर या नज़दीकी हेल्पडैस्क पर आवेदन करें।

अधिक जानकारी के लिए श्रमिक सहायता सेवा पर संपर्क करें:
हेल्पलाइन नंबर : 1800-180-2129

पंजीकरण के लिए अपने नजदीकी हेल्पडैस्क पर जाएं

- पंचायत भवन, पहली मंजिल, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, भिवानी, हरियाणा
- कक्ष संख्या 205, दूसरी मंजिल, श्रम न्यायालय, सैक्टर-12, फरीदाबाद
- कक्ष संख्या 404, चौथी मंजिल, मिनी सचिवालय, राजीव चौक, गुरुग्राम
- कक्ष संख्या 110, उपायुक्त कार्यालय, नई इमारत, प्रथम तल, जींद
- मिनी सचिवालय, ब्लॉक संख्या 2, कक्ष संख्या 3, प्रथम तल, सैक्टर-12, करनाल
- पुरानी अनाज मंडी, मार्केट कमेटी कार्यालय, नारनौल
- कक्ष संख्या 505, पांचवीं मंजिल, मिनी सचिवालय, पानीपत
- मिनी सचिवालय, छठी मंजिल, पानीपत
- कक्ष संख्या 505, पांचवीं मंजिल, मिनी सचिवालय, पानीपत
- 329-एल, ऊर्जा पार्क के सामने, गुरु चौक, मॉडल टाउन, रेवाड़ी
- कक्ष संख्या 1, पहली मंजिल, पुरानी इमारत, मिनी सचिवालय, सोनीपत स्टैंड, रोहतक
- सरकारी पुस्तकालय के पास श्रम कार्यालय, रोहतक रोड, गुहड़ मंडी, सोनीपत

निर्वाह भत्ता, प्रभावित श्रमिकों के आधार से जुड़े बैंक खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से वितरित किया जाएगा।

भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, हरियाणा

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
नववर्ष विशेष 2026
नई दिल्ली, रविवार
28 दिसंबर 2025
P-6
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा
कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार

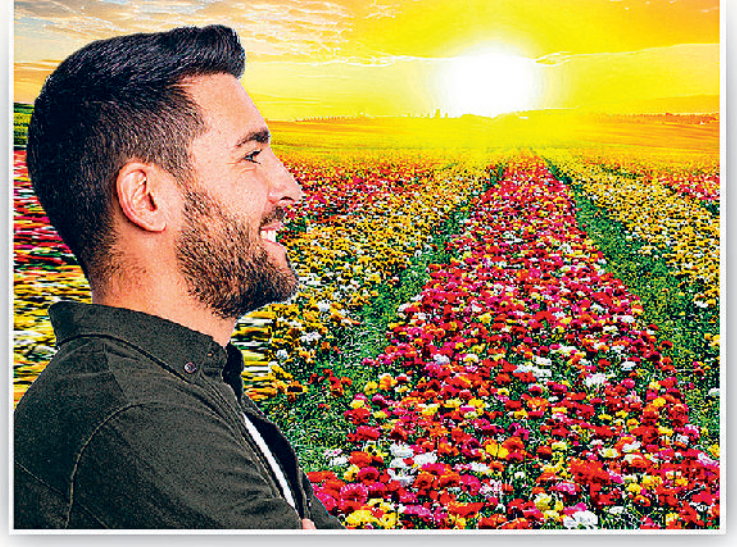

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयां देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,

बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया।

प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अकसर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्चे कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खूब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें।

रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मंथन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है। असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

भारत की प्राचीन अवधारणा: हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचाना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

मनाती है पूरी दुनिया: वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

परिवार के संग मनाएं यह दिन: यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पूरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग: हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। *

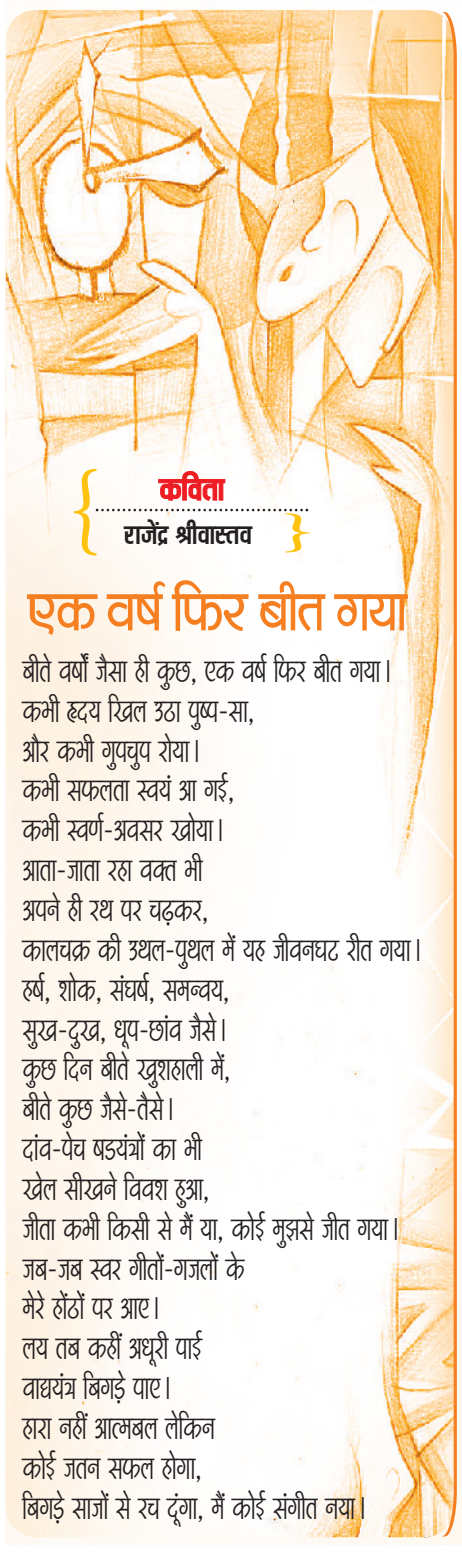

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।
आता-जाता रहा वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।
हर्ष, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेंच षड्यंत्रों का भी
खेल सीखने विवश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के
मेरे होंठों पर आए।
लय तब कहीं अधूरी पाई
वाद्ययंत्र बिगड़े पाए।
हारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगड़े साजों से रच दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर

इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूं उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शातिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुराते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी छुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रखा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धन्नासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्रा काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

खबर संक्षेप

रिटायर्ड फौजी पर अंधाधुंध फायरिंग

हापुड़। यूपी के हापुड़ में श्यामपुर जट्ट में मंदिर से लौट रहे सेवानिवृत्त फौजी पर कार सवार बदमाशों ने

ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। तीन गोलियां लगने से सेवानिवृत्त फौजी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल की पत्नी ने पुलिस को हमलावरों के नाम बताते हुए घायल के तीन भतीजों और ग्राम प्रधान पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

सेक्सटॉर्शन गैंग का खुलासा, 4 गिरफ्तार

हजारीबाग। जिले में पुलिस ने एस्कॉर्ट सर्विस के बहाने ब्लैकमेल में शामिल चार युवकों को गिरफ्तार

किया। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि पुलिस को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नूतननगर इलाके से सक्रिय गिरोह के बारे में सूचना मिली थी कि वे फर्जी वेबसाइटों पर एस्कॉर्ट सेवाएं देने के विज्ञापन देने के लिए मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे और यूपीआई के माध्यम से धोखाधड़ी से पैसे वसूल रहे थे।

वंदे भारत पर फिर पत्थरबाजी, शीशा टूटा

समस्तीपुर। बिहार में तीन दिनों में दूसरी बार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को पत्थरबाजों ने निशाना बनाया

है। शनिवार को पत्थरमारों ने समस्तीपुर दुबहां स्टेशन के बीच वंदे भारत ट्रेन पर पत्थर मारा। इससे चेयर कार का एक कांच टूट गया है। हालांकि उस सीट पर सवार यात्री सुरक्षित है। उन्हें कोई चोट नहीं आई। वारदात की आरपीएफ टीम बनाकर छानबीन शुरू कर दी है।

रामलला के दर्शन के लिए 10 जन. तक ऑनलाइन पास समाप्त

हर दिन डेढ़ लाख पहुंची रामलला के दर्शनार्थियों की संख्या

अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। नववर्ष के आगमन और छुट्टियों के चलते प्रतिदिन डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। विशिष्ट दर्शन के लिए 2 जनवरी तक के ऑफलाइन पास और 10 जनवरी तक के ऑनलाइन दर्शन व आरती पास पहले ही समाप्त हो चुके हैं। भीषण ठंड के बावजूद भक्तों का उत्साह बरकरार है।

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

श्रीराम भक्तों में नववर्ष का प्रथम दिन रामलला के सान्निध्य में बिताने की उत्कंठा है। वे दर्शन के इतने अभिलाषी हैं कि विशिष्ट दर्शनार्थी बनने के लिए पास पहले ही बनवा लिए। इसी वजह से दो जनवरी तक के ऑफलाइन सभी पास तो खत्म हो ही गए, दस जनवरी तक के ऑनलाइन दर्शन व आरती पास भी समाप्त हो गए हैं।

बीत रहे वर्ष के अंतिम सप्ताह में दर्शनार्थियों की बढ़ी संख्या भी इसका स्पष्ट संकेत दे रही है। 25 दिसंबर के अवकाश से पहले दर्शनार्थियों की संख्या प्रतिदिन डेढ़ लाख तक पहुंच गई है, जबकि कुछ दिनों पूर्व तक सप्ताहांत में एक लाख दर्शनार्थी आ रहे थे। रामनगरी में भीषण ठंड व गलन के बीच भी श्रीराम मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में दर्शनार्थी पहुंच रहे थे, परंतु जैसे ही इस वर्ष का उत्तरार्द्ध प्रारंभ हुआ और अवकाश के दिन आए तो एकाएक श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

रामलला की आरती के भी सभी आफलाइन पास खत्म

यद्यपि बड़ी संख्या में भक्त सामान्य ढंग से कतार में लग कर ही दर्शन कर रहे हैं, लेकिन पास के माध्यम से दर्शन करने वालों की संख्या भी काफी बढ़ गई है। इसी का परिणाम है कि दो जनवरी तक के सभी पास पहले ही समाप्त हो गए हैं। आफलाइन पास छह दिन पूर्व ही बन पाते हैं, इसलिए अधिकांश भक्तों ने पहले ही पास बनवा लिए हैं। रामलला की आरती के भी सभी आफलाइन पास खत्म बताए जा रहे हैं। वहीं, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट से आनलाइन बुक किए जाने वाले दर्शन व आरती पास तो दस जनवरी तक के बुक हो गए हैं। मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव ने कहा कि पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर विशिष्ट व सुगम दर्शन के लिए पास बनाए जाते हैं। 25 से 28 जनवरी तक के पास पहले ही खत्म हो गए थे। अब दो जनवरी तक दर्शनार्थियों ने पास बनवा लिए हैं।

शीतलहर से राहत के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

कंबलों के लिए 17.55 करोड़ व अलाव के लिए 1.75 करोड़ रुपए किए जारी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में पड़ रही भीषण शीतलहर और घने कोहरे को देखते हुए योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने आमजन को राहत पहुंचाने के लिए व्यापक और सुनियोजित व्यवस्थाएं की हैं। प्रदेश के सभी जनपदों में रैन बसेरा, अलाव और कंबल वितरण की व्यवस्था को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है, ताकि ठंड से किसी भी नागरिक को असुविधा न हो। प्रदेश सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शीतलहर के दौरान कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति ठंड से पीड़ित न रहे। जिला प्रशासन, नगर निकाय और संबंधित विभागों को पूरी संवेदनशीलता के साथ राहत कार्यों को संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

संवेदनशीलता के साथ राहत कार्यों को संचालित करने के निर्देश

रैन बसेरों में 9949 जरूरतमंद लोग अब तक आश्रय ले चुके

9949 लोग आश्रय ले चुके

प्रदेशभर में अब तक 1247 रैन बसेरे स्थापित किए जा चुके हैं। इन रैन बसेरों में 9949 जरूरतमंद लोग अब तक आश्रय ले चुके हैं। जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि रैन बसेरों में साफ-सफाई, गर्म पानी, प्रकाश और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कंबल वितरण को प्राथमिकता

प्रदेश सरकार द्वारा शीतलहर से बचाव के लिए कंबल वितरण को प्राथमिकता दी गई है। पिछले 03 वर्षों में औसतन 10,65,889 कंबलों की खरीद की गई है। इस पर लगभग 44.38 करोड़ रुपये की औसत धनराशि व्यय हुई है। चालू व्यवस्था के अंतर्गत सभी जनपदों को 17.55 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। 75 जनपदों द्वारा कंबल खरीद के लिए क्रयादेश जारी किए जा चुके हैं। इनमें से 75 जनपदों में 3,78,884 कंबलों की आपूर्ति पूर्ण हो चुकी है। अब तक सभी जनपदों द्वारा 1,40,364 कंबलों का वितरण जरूरतमंदों को किया जा चुका है। शेष कंबलों को वितरण किया जा रहा है।

सभी जनपदों में अलाव की समुचित व्यवस्था

ठंड से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने की भी व्यापक व्यवस्था की गई है। सभी जनपदों को अलाव जलाने के लिए 1.75 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। जनपदों में प्रतिदिन जलाए जा रहे अलावों की स्थिति की नियमित फीडिंग राहत पोर्टल पर की जा रही है, जिससे शासन स्तर पर सतत निगरानी बनी रहे।

कोहरे को लेकर अलर्ट

कोहरे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सरकार द्वारा तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा सचेत ऐप एवं वेब पोर्टल के माध्यम से अब तक 33.27 करोड़ अलर्ट एसएमएस जारी किए जा चुके हैं। ये संदेश प्रभावित जनपदों के अधिकारियों के साथ-साथ आमजनमानस को भी भेजे गए हैं। इसके अतिरिक्त संबंधित विभागों जैसे यूपीडा, एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी द्वारा जिलाधिकारियों एवं जिला पुलिस को ई-मेल के माध्यम से कोहरे से संबंधित अलर्ट लगातार जारी किए जा रहे हैं।

1 आवेदन से परिवार की जमीन का दाखिल-खारिज

बिहार में जमीन बंटवारा हुआ आसान, नया पोर्टल लॉन्च

एजेंसी ▶▶ पटना

अब एक ही आवेदन से पूरे परिवार की जमीन का दाखिल-खारिज हो जाएगा। पारिवारिक भूमि बंटवारे की प्रक्रिया को सरल, आसान और विवाद मुक्त बनाने के लए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बिहार भूमि पोर्टल पर यह नई व्यवस्था लागू की गई है। इसकी सुविधा राज्य के लोगों को रविवार यानी 27 दिसंबर मिलने लगेगी। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि पहले पारिवारिक बंटवारे के बाद प्रत्येक हिस्सेदार को अपने हिस्से की जमीन के लिए अलग-अलग दाखिल-खारिज कराना पड़ता था। इससे लोगों को अनावश्यक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को देखते हुए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए थे।

प्रेशर स्वीकार नहीं जनहित में फैसले लेते रहेंगे

इधर सीएम नीतीश कुमार से बिहार राजस्व सेवा संघ की शिकायत और आन्दोलन की चेतावनी पर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि वे अराजकता या दबाव स्वीकार नहीं करेंगे। जनता के हित में हमेशा फैसला लेते रहेंगे। पटना, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया में लोक कल्याण जन संवाद के बाद राजस्व सेवा के अधिकारियों ने सीएम को पत्र लिखकर डिप्टी सीएम पर अपमानित करने का आरोप लगाया और रोक लगाने की मांग की थी।

कम समय में नई व्यवस्था विकसित की

विभाग के प्रधान सचिव सीके अनिल के नेतृत्व में विभागीय टीम ने कम समय में नई व्यवस्था विकसित की है। इसे अब बिहार भूमि पोर्टल की दाखिल-खारिज सेवा के तहत लागू कर दिया गया है। इससे आम रैयतों को काफी सहूलियत होगी।

पेज एक का शेष

61वीं कैवलरी संग...

अपने अभ्यास की शुरुआत करेगा। 39 से अधिक युद्ध सम्मान मिलेः गौरतलब है कि सेना की इस घुड़सवार रेजिमेंट ने कुल 39 से अधिक युद्ध सम्मान हासिल किए हैं। इसका आदर्श वाक्य 'अश्व शक्ति यशोबल' है। जिसका अर्थ है, 'अश्व शक्ति सदैव सर्वोच्च है'। 61वीं कैवलरी का एक घोड़ा रियो बेहद चर्चित है और उसने कुल 18 बार गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भाग लिया है। अपनी असाधारण सेवा और समर्पण के लिए उसे चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) कमंडेशन कार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस दृष्टिकोण से देखें तो ये घुड़सवार सैन्य दस्ता केवल एक सैन्य इकाई नहीं, बल्कि सेना के गौरवशाली इतिहास, वीरता और परंपरा (पोलो और टेंट पेगिंग) का जीवंत प्रतीक है। जो हर साल गणतंत्र दिवस पर अपनी जीवंत विरासत का शानदार अंदाज में प्रदर्शन करता है।

सिलेक्टिव ब्रीडिंग...

मैदानों जैसे जटिल माइनस तापमान वाले बर्फीले क्षेत्रों में सैनिकों तक आपूर्ति, गोला बारूद, राशन और उपकरण पहुंचाते हैं। क्योंकि गर्मी या ठंड के दौरान इन इलाकों में वाहनों की पहुंच बहुत मुश्किल होती है। ज़ांस्कारी घोड़ों का उपयोग सेना की लद्दाख स्काउट्स और माउंटेन आर्टिलरी इकाइयां भी करती हैं।

1953 में गठित की...

हुआ और उसके कुछ सालों बाद 26 जनवरी 1950 को भारत का अपना संविधान लागू किया गया और इसी दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। तब से लेकर अब तक लगातार 61वीं कैवलरी परेड समारोह में भारतीय सेना की पहली मार्चिंग टुकड़ी के रूप में शामिल होती रही है।

पेज 3 का शेष

दिग्विजय ने संघ-...

वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की एक पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पीएम मोदी लालकृष्ण आडवाणी के पैरों के पास बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर साझा करते हुए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने लिखा कि आरएसएस का एक जमीनी स्वयंसेवक और भाजपा का जमीनी कार्यकर्ता किस प्रकार नीचे बैठकर मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने इस तस्वीर को प्रभावशाली बताते हुए इसे संगठन की ताकत बताया। सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिग्विजय सिंह अपने इस पोस्ट के जरिए कांग्रेस नेतृत्व को कोई संदेश या नसीहत देना चाह रहे हैं। दूसरी ओर राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि क्या उनका इशारा कांग्रेस संगठन में जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की कमी की ओर है। यह सवाल अब सिर्फ पार्टी के अंदर ही नहीं, बल्कि बाहर भी तेजी से उठ रहा है। गौरतलब है कि इससे करीब एक हफ्ते पहले 19 दिसंबर को भी दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी को लेकर एक पोस्ट किया था। उस पोस्ट में उन्होंने राहुल गांधी से कहा था कि वे सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के साथ-साथ कांग्रेस संगठन पर भी ध्यान दें।

सिंह बोले- लोगों ....

मैंने पार्टी संगठन की तारीफ की थी। लोगों ने मेरी बात को गलत समझा। मैं भाजपा और आरएसएस का कट्टर विरोधी हूं।

राहुल-प्रियंका के ....

साथ ही पोस्ट की टाइमिंग भी काफी अहम मानी जा रही है। दिग्विजय सिंह ने यह पोस्ट ऐसे समय में किया, जब कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक चल रही थी और वे खुद भी उस बैठक में शामिल थे।

भारतीय मूल की ....

सीईओ हैं। उल्लाल की नेट वर्थ 50170 करोड़ है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ नडेला 9770 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर हैं और गूगल के पिचाई 5810 करोड़ रुपए के साथ सातवें स्थान पर हैं। उल्लाल 2008 से कंप्यूटर नेटवर्किंग कंपनी अरिस्टा नेटवर्क्स को लीड कर रही हैं। उनकी लीडरशिप में कंपनी ने 2024 में 7 बिलियन का रेवन्यू हासिल किया। यानी, पिछले साल की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत ज्यादा।

जानें कौन हैं ....

के पिता का खास योगदान था। उन्होंने अपने पिता के काम की वजह से सैन फ्रांसिस्को जाने से पहले नई दिल्ली के कॉन्वेंट ऑफ जीसस एंड मैरी में पढ़ाई की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सेमीकंडक्टर सेक्टर से की। इसके बाद उन्होंने एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेस इंक. और फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर में काम किया। उनका करियर क्रेसेन्डो कम्युनिकेशंस में तेजी से आगे बढ़ा, जहां 1993 में जब कंपनी को सिस्को ने खरीदा, तब वह मार्केटिंग की वाइस प्रेसिडेंट थीं। 2008 में वह अरिस्टा नेटवर्क्स में शामिल हुईं।

मनरेगा पर सियासत...

की बैठक में नेताओं ने बकायदा शपथ लेकर मनरेगा को बदले जाने पर पुरजोर विरोध की कसम खाई। मतलब साफ है मनरेगा को सियासी आंच पर चढ़ा दिया गया है।

मनरेगा से ग्रामीण ...

और कई पीढ़ियां गरीबी से बाहर निकल सकीं। भूमि अधिग्रहण संशोधनों की वापसी (2015) और तीन कृषि कानूनों की वापसी (2021) का उल्लेख करते हुए खड़गे ने कहा कि जैसे सरकार को उन फैसलों से पीछे हटना पड़ा, वैसे ही अंततः उसे मनरेगा भी बहाल करना पड़ेगा।

देशव्यापी संघर्ष...

वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा। अंत में खड़गे ने कहा कि संविधान की रक्षा, मनरेगा की बहाली और लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए कांग्रेस की सामूहिक जिम्मेदारी है और पार्टी इसके लिए देशव्यापी निर्णायक संघर्ष का नेतृत्व करेगी।

आयुष म्हात्रे को मिली...

अंडर-19 वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीमः आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस.. अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी. दीपेश, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीमः वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), आरोन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी. दीपेश, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन, युवराज गोहिल, राहुल कुमार।

पोर्ट ब्लेयर में बृजमोहन...

छग में बैंकिंग कवरेज तेज होः समिति के समक्ष प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, अंडमान-निकोबार में सीडी अनुपात 2020-21 में 52.15 फीसदी से बढ़कर 2024-25 में 59.65 फीसदी हो गया है। इस प्रगति का उल्लेख करते हुए सांसद ब्रजमोहन ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इसी तरह बैंकिंग कवरेज और ऋण प्रवाह को तेज करने की आवश्यकता है, ताकि एमएसएमई क्षेत्र को वास्तविक लाभ मिल सके।

20 लाख तक का बिना गारंटी ऋण देंः बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि पीएम मुद्रा योजना के अंतर्गत माइक्रो और छोटे गैर-कॉरपोरेट व्यवसायों को 20 लाख तक का बिना गारंटी ऋण सभी क्षेत्रों- जैसे इवेंट मैनेजमेंट, कंसल्टेंसी, ब्यूटी-मेकअप, प्रोफेशनल सर्विसेज आदि-में सरल प्रक्रिया के साथ उपलब्ध कराया जाए। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने के लिए बैंकों को केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभानी होगी, जिससे छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में आर्थिक विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकें।

टैलेंट और संसाधनों...

क्रेडिट-टू-डिपॉजिट अनुपात सुधारने के साथ-साथ स्थानीय जरूरतों के अनुसार ऋण उत्पाद तैयार करने चाहिए और ग्रामीण व अर्ध-शहरी क्षेत्रों, विशेषकर छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में, शाखा स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता चाहिए।

छोटे व्यापारियों...

औपचारिकताओं से बचा जाए। स्टार्टअप, सर्विस सेक्टर, रिसर्च आधारित उद्यम और नए जमाने के व्यवसायों को एमएसएमई के रूप में स्वीकार किया जाए।

राज्यपाल गुरमीत सिंह व सीएम पुष्कर धामी समारोह में रहे मौजूद

अटल स्मृति व्याख्यान में वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप सरदाना ने अटल संस्मरणों से किया मंत्रमुग्ध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोई इंसान पीटता रहे लेकिन उसे रोने भी न दिया जाए, ऐसा नहीं होना चाहिए, उसे रोने का अधिकार तो मिलना ही चाहिए। फिर किसी बात को रटने से बात नहीं बनेगी उसे आत्मसात करने से ही जीवन सफल होगा। भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के ऐसे ही कई संस्मरण सुनाकर वरिष्ठ पत्रकार और विचारक प्रदीप सरदाना ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौका था 'अटल स्मृति व्याख्यान माला' का। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह इस समारोह के मुख्य अतिथि थे तो उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में मौजूद रहे। समारोह का आयोजन लेखक गाँव, देहरादून के संरक्षक रमेश पोखरियाल 'निशंक' और 'लेखक गाँव' की निदेशक विदुषी 'निशंक' ने किया था। अटल व्याख्यान माला के मुख्य वक्ता के रूप में अपने सम्बोधन में प्रदीप सरदाना ने वाजपेयी जी के साथ अपनी स्मृतियों और विचारों को साझा किया। श्री सरदाना ने कहा-''जब देश में नरसिंह राव प्रधानंत्री थे, लालकृष्ण आडवाणी भाजपा अध्यक्ष थे। साथ ही राम मंदिर के लिए की गई

अपनी रथ यात्रा के बाद आडवाणी हिन्दू हृदय सम्राट बन चुके थे। तब यह सोचा भी नहीं जा सकता था कि अटल बिहारी वाजपेयी देश के अगले प्रधानमंत्री होंगे। लेकिन मैंने तब 30 अप्रैल 1995 के अपने अखबार 'पुनर्वास' की आवरण कथा में लिखा कि ''वाजपेयी प्रधानमंत्री बनेंगे''। इस वार्षिकांक का विमोचन दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना ने किया तो वह यह शीर्षक देखकर चौंक कर बोले- ''यदि यह सच हो जाए तो आपके मुंह में घी शक्कर।'' उधर जब मैंने यह अंक वाजपेयी जी को भेजा तो उन्होंने मुझे पत्र लिखकर जवाब दिया। साथ ही मुलाकात के दौरान कहा-''आपकी सद्भावना के लिए आभारी हूँ। लेकिन यह कहाँ संभव हैं। मैं भला प्रधानमंत्री कैसे बन सकता हूँ।'' लेकिन आकलन सही निकला।

भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर पंकज चौधरी सख्त

एजेंसी ▶▶ मथुरा

उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर यूपी भाजपा के अध्यक्ष पंकज चौधरी और सख्त रुख सामने आया है। यूपी भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद शनिवार को पंकज पहली बार वृंदावन पहुंचे थे। वहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि भाजपा 2027 में एक बार फिर यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। लखनऊ में हुई भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाजपा सर्वसमाज की पार्टी है। हमारा संविधान किसी को भी इजाजत नहीं देता है, यह सही नहीं है कि भाजपा के जनप्रतिनिधि कोई जाति आधार पर बैठक करें। इसी वजह से मैंने उनसे बात भी की है और उन्हें चेतावनी भी दी है। निर्देश दिया हूं कि आगे से कोई इस तरह की बैठक न हो जो पार्टी अनुशासन के खिलाफ हो।

लखनऊ में अत्याधुनिक कुकरैल नाइट सफारी के साथ ईको-टूरिज्म का भी होगा कायाकल्प

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ 'टूरिज्म हब' के रूप में उभरने को तैयार है। इंदिरानगर स्थित कुकरैल वन क्षेत्र को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल बनाने की दिशा में काम तेज हो गया है। यहां एक ओर देश की अत्याधुनिक 'नाइट सफारी' का विकास किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर यूपी ईको टूरिज्म बोर्ड पर्यटकों के अनुभव को यादगार बनाने बुनियादी सुविधाओं और मनोरंजन के साधनों का विस्तार कर रहा है।

यूपी ईको टूरिज्म बोर्ड के एडिशनल डायरेक्टर पुष्प कुमार के अनुसार, कुकरैल वन क्षेत्र में मगरमच्छ, घड़ियाल और कछुआ

अभ्यारण्य देखने आने वाले पर्यटकों के लिए 2 करोड़ की लागत से आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य यहां आने वाले परिवारों, विशेषकर बच्चों को प्रकृति के करीब लाना और उन्हें रोमांचक अनुभव प्रदान करना है।

पर्यटकों की सुविधा के लिए वन क्षेत्र में आधुनिक कैफेटेरिया, पार्किंग व स्वच्छ शौचालयों का निर्माण भी युद्ध स्तर पर जारी है। विभाग का लक्ष्य है कि इन सुविधाओं को आम जनता के लिए खोल दिया जाए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **राम शंकर तिवारी** पुत्र श्री राजेश्वर तिवारी, निवासी- मकान नंबर 44, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, नई दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 816/2015 धारा 279/337/338 भा.द.स, थाना हरि नगर, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राम शंकर तिवारी** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **राम शंकर तिवारी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **राम शंकर तिवारी, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 816/2015 धारा 279/337/338 भा.द.स, थाना हरि नगर, नई दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री मोक्षा बैंस
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
कमरा नंबर 31
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/17478/WD/2025

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत श्रृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। अब सबसे अहम यह है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अरावली के अस्तित्व पर संकट

विश्लेषण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

देश में बढ़ते विकास के बीच जंगल, पहाड़ अक्सर अपनी कुर्बानी देते हैं भारत में इसका सबसे ताजा उदाहरण अरावली है जो विकास बनाम पर्यावरण के बीच खड़ी है। करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। अरावली का महत्व सिर्फ पहाड़ों तक सीमित नहीं है। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। पर्यावरण के लिहाज से अरावली भूजल को रिचार्ज करने में मदद करती है, जिससे राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में पानी का संतुलन बना रहता है।

करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है

प्रदूषण रोकने में मददगार

ये पहाड़ियां धूल भरी आंधियों को रोकती हैं और प्रदूषण को सोखकर दिल्ली-एनसीआर की हवा को साफ रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर अरावली कमजोर हुई तो रेगिस्तान फैल सकता है और उत्तर भारत में जल संकट और गंभीर हो जाएगा। एक ओर अरावली को उत्तर भारत के पर्यावरणीय संतुलन के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे प्रदेश के भविष्य से जुड़ा मुद्दा बनाकर सड़क से सदन तक संघर्ष की तैयारी में जुट गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर, 2025 में अरावली की परिभाषा बदल दी, जिसमें 100 मीटर से ऊंची जगहों को ही पहाड़ी माना जाएगा। इस आदेश से सिर्फ राजस्थान के 15 जिलों में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 (8.7 फीसदी) ही इस मानक को पूरा कर सकेंगी और 90 फीसदी से अधिक क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगा। यही बात पर्यावरणविदों को चिंता में डाल रही है। उनका कहना है कि सिर्फ़ ऊँचाई के आधार पर अरावली को परिभाषित करने से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन और निर्माण के लिए दरवाज़ा खुल जाने का खतरा पैदा हो जाएगा, जो 100 मीटर से छोटी हैं, झाड़ियों से ढंकी हुई और पर्यावरण के लिए जरूरी हैं।

जनजीवन से जुड़ा है मामला

यह फैसला सिर्फ कानूनी व्याख्या का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, पर्यावरण व भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि सरकार अरावली क्षेत्रों को वैज्ञानिक मानकों से परिभाषित करे, जिसमें उसका भूगोल, पर्यावरण. वन्यजीव संपर्क और जलवायु संघर्ष क्षमता शामिल हो। हालांकि, सरकार और कुछ कानून विशेषज्ञों का कहना है कि नई परिभाषा 1980 के दशक से चली आ रही, जो इस लड़ाई पर एक सामान्य परिभाषा बनाएगी। कोर्ट ने भी माना कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली क्षेत्र में पत्थर और खनिजों का खनन हजारों लोगों की आजीविका से जुड़ा है और बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी है। बिना ठोस वैज्ञानिक और कानूनी आधार के पूरी तरह से प्रतिबंध के कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।केंद्र सरकार का कहना है कि नई परिभाषा का मकसद नियमों को मज़बूत करना और एकरूपता लाना है, न कि सुरक्षा को कम करना। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह मान लेना ग़लत है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली हर जमीन पर खनन की इजाजत होगी।

अब अरावली की नई परिभाषा

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 1,47,000 वर्ग किलोमीटर में फैली अरावली श्रृंखला का सिर्फ़ दो फीसदी हिस्सा ही संभावित रूप से खनन के लिए इस्तेमाल हो सकता है और वह भी विस्तृत अध्ययन और आधिकारिक मंजूरी के बाद। बहरहाल, अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश और केंद्र सरकार द्वारा अरावली की नई परिभाषा तय करने के प्रयासों के बाद राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। इस पूरे विवाद की जड़ में एक सबसे अहम सवाल है, जो देखने में सरल लेकिन असल में बेहद खतरनाक है- आखिर अरावली की कानूनी और पर्यावरणीय परिभाषा क्या होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने जो नई परिभाषा पर मुहर लगाई है क्या वो पर्यावरण मानकों और साइंटफिक स्केल के दायरे में किया गया है? यह सवाल इसलिए अहम बन जाता है क्योंकि इसी परिभाषा के आधार पर यह तय होता है कि कौन-सा क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स या संरक्षण के दायरे में आएगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार की सुझाई गई परिभाषा को स्वीकार किए जाने के बाद यह बहस और तीखी हो गई है। अरावली का महत्व केवल स्थानीय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल और उत्तर भारत के घनी आबादी वाले मैदानों के बीच एक प्राकृतिक ढाल की तरह काम करती है। राजस्थान, दिल्ली और गुरुग्राम जैसे क्षेत्रों में यह धूल भरी हवाओं को रोकने, तापमान नियंत्रित करने और वर्षा के जल को जमीन में समाहित करने में सहायक है। अरावली के जंगल कार्बन अवशोषण और वायु शुद्धिकरण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यदि अरावली को गंभीर क्षति पहुंचती है, तो इसके परिणाम दूरगामी होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार इससे वायु प्रदूषण में वृद्धि, भीषण गर्मी और हीटवेव, और भूजल स्तर में तेज गिरावट जैसी समस्याएं और गहराएंगी।

माइनिंग कंट्रोल करना ज़रूरी

यह राजस्थान में मरुस्थलीकरण की गति बढ़ सकती है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और जल संकट और गंभीर रूप ले सकता है। अरावली पर सुप्रीम कोर्ट की नई परिभाषा ने एक ऐसे निर्णायक मोड़ की ओर संकेत किया है, जहां कानूनी व्याख्या और पर्यावरणीय वास्तविकता के बीच संतुलन स्थापित करना अनिवार्य हो गया है। आने वाले समय में इस फैसले के प्रभाव केवल कानून की किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उत्तर भारत के पर्यावरण और जनजीवन पर गहरी छाप छोड़ सकते हैं। दरअसल, यह पूरा मामला दिखाता है कि अरावली संरक्षण की लड़ाई लंबी है। विकास और पर्यावरण का संतुलन कैसे बनेगा, यह समय बताएगा। लेकिन आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। सरकार अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चला रही है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है।

जीवन के लिए पर्वतीय श्रृंखला का जिंदा रहना जरूरी

मुद्दा

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दशकों से चल रही राजनीति, विरोधाभासी फैसलों और बदलती परिभाषाओं के बीच यह सवाल सबसे अहम है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? हाल ही में केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों में नए खनन मामलों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर तक फैली पूरी अरावली श्रृंखला पर लागू किया गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो खदानें पहले से संचालित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार सभी पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करना होगा। सरकार का दावा है कि इससे प्रकृति को हो रहे नुकसान को रोका जाएगा और अरावली क्षेत्र में हरियाली लौटाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी बीच अरावली की परिभाषा को लेकर विवाद गहरा गया है। हालिया सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया कि केवल वही भूमि अरावली पहाड़ी मानी जाएगी, जो आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंची हो।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं।

इस परिभाषा के सामने आते ही पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों ने आशंका जताई कि इससे बड़ी संख्या में छोटी पहाड़ियां, टीले और झाड़ियों से ढके क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगे। कांग्रेस का आरोप है कि नई परिभाषा के तहत अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षित नहीं रह पाएगा और उसे रियल एस्टेट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है। सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है। उसका कहना है कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है और खनन पर लगे प्रतिबंध से बौखला गया है। पर्यावरण मंत्रालय का दावा है कि अरावली के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सर्वे ऑफ इंडिया को नई परिभाषा के आधार पर नक्शा तैयार करने के निर्देश केवल स्पष्टता के लिए दिए गए हैं। बावजूद इसके, इस मुद्दे पर देशभर में विरोध प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान और जनसभाएं हो रही हैं, जो बताती हैं कि जनता की चिंता गहरी है। अरावली मानसून के दौरान बादलों की दिशा मोड़ने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे पूर्वी राजस्थान और उत्तरी मैदानों को वर्षा मिलती है। यह थार मरुस्थल के विस्तार को रोकती है और रेत–धूल को दिल्ली–एनसीआर तक पहुंचने से काफी हद तक थामे रखती है। इसके अलावा, अरावली को भूजल रिचार्ज का इंजन भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में मौजूद जंगल, चट्टानें और मिट्टी वर्षा जल को जमीन में समाहित कर जलस्तर बनाए रखने में मदद करते हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अरावली को लेकर राजनीतिक दलों की भूमिका भी सवालों के घेरे में रही है। आरोप है कि 2003 में कांग्रेस सरकार के दौरान 100 मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा की नींव रखी गई थी, जिसे 2010 में सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। तब अदालत ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। अब करीब 14 साल बाद वही परिभाषा एक बार फिर सामने आई और सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। इस कारण विपक्ष और पर्यावरणविद् दोनों सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। सच्चाई यह है कि अरावली को सबसे ज्यादा नुकसान राजनीति से ज्यादा लालच और अनियंत्रित विकास ने पहुंचाया है। खनन, रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के नाम पर इस पर्वतमाला को लगातार काटा गया। नतीजा यह है कि दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक बना रहता है और लोगों की औसत आयु तक प्रभावित हो रही है। आज जरूरत इस बात की है कि अरावली को केवल राजनीतिक बहस का विषय न बनाकर राष्ट्रीय धरोहर के रूप में देखा जाए। वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय समुदायों की राय को गंभीरता से सुना जाए। विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही एकमात्र रास्ता है। क्योंकि सच यही है-अगर अरावली जिंदा रहेगी, तभी हमारी हवा, पानी और जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा।

अरावली बचाने की मुहिम पर सवाल उठाना गलत

विवाद

रोहित कौशिक

स्वतंत्र पत्रकार

अरावली पर चले रहे विवाद के बीच केन्द्र सरकार ने राज्यों को अरावली में नए खनन पट्टे देने पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह रोक पूरे अरावली क्षेत्र पर समान रूप से लागू होगी और इसका मकसद इस क्षेत्र की अखंडता को बनाए रखना है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और अरावली की पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं, जिससे कई तरह के पर्यावरणीय बदलाव होंगे। मुख्य रूप से राजस्थान में अरावली की नई परिभाषा को लेकर आन्दोलन तेज हो गया है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली की पहाड़ियां हैं लेकिन राजस्थान में अरावली की 80 प्रतिशत पहाड़ियां हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की पहाड़ियों में अवैध खनन को रोकने के लिए केन्द्र सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट का कहना था कि अरावली की पहाड़ियों को लेकर कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। सभी राज्य अपने अनुसार यह तय करते हैं कि वे किस पहाड़ को पहाड़ मानेंगे और किस पहाड़ पर खनन करने की इजाजत देंगे। इसी संशय को दूर करने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एक समिति बनाई। इस समिति ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी सिफारिशें दाखिल कीं। केन्द्र सरकार ने इस सिफारिशों में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यदि किसी पहाड़ की ऊंचाई 100 मीटर या उससे ज्यादा है तो उस पहाड़ से 500 मीटर के इलाकों को अरावली क्षेत्र माना जाएगा और वहां किसी भी प्रकार के खनन की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इन सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कहा कि जो पहाड़ इस परिभाषा के हिसाब से अरावली क्षेत्र में नहीं आएंगे, वहां सस्टेनेबल माइनिंग यानी टिकाऊ खनन हो सकेगा। सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। लोगों का मानना है कि इस परिभाषा के हिसाब से अरावली के 90 प्रतिशत पहाड़ खत्म हो जाएंगे क्योंकि इन पहाड़ों की ऊंचाई 100 मीटर से ज्यादा नहीं है। यह सही है कि अरावली क्षेत्र में पहले से ही खनन होता रहा है लेकिन अब समाज में अरावली को बचाने की चिंता देखी जा रही है तो इस चिंता को कठघरे में खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो।

देश में तमाम प्राकृतिक धरोहरों को संभालना होगा

सियासत

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में राजस्थान में अरावली की पहाड़ियां इन दिनों सियासत की जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को लेकर सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं जिसे लेकर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। आरोप-प्रत्यारोप का खेल भी जमकर हो रहे हैं। भाजपा आरोप लगा रही है कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत जो 'सेव अरावली' कैंपेन चला रहे थे, वह उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया।

हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है।

भूगोलविद सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होतीं तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत श्रृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। सरकार इस मुद्दे की गंभीरता को समझे। जिस तरह केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों को 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया गया है और इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा ही हरियाणा में आता है और बाकि हिस्सा राजस्थान में है। जनता का आरोप है कि बीते कई वर्षों से अरावली की चोरी हो रही है और 100 मीटर बने

आज जब अरावली की समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती।

कानून का कोई औचित्य नहीं है। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने इसकी पैरवी की और ये गाइडलाइन सुप्रीम कोर्ट के जरिए की जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि एक तरफ देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है।

पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण? बहरहाल, आज जब अरावली की वजह से प्राकृतिक समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती। इसमें लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। मौजूदा स्थिति में हाईटेक होने के लिए हर रोज विश्व का एक सकारात्मक दिशा की ओर निर्माण हो रहा है जिसमें भारत का नाम भी बेहद चुनिंदा देशों में गिना जाने लगा। हम अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने व संभालने में उतने सक्षम नहीं हैं जितने कि हमें जरूरत है। दरअसल मामला यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है।

हमारे यहां जनसंख्या का तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है जिसके चलते जंगल का पर्यावरण व पहाड़ों को बर्बाद किया जा रहा है देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। वैज्ञानिकों ने लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी।

आजादी की लड़ाई से लेकर देश के नवनिर्माण तक कांग्रेस

स्थापना दिवस

दीपक बैज

कांग्रेस ने अपनी स्थापना के 140 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 141वें स्थापना दिवस की आप सभी को बधाई। आज भले ही अधिकांश राज्यों में कांग्रेस की सरकार नही है, लेकिन कांग्रेस ही देश का एक मात्र राजनैतिक दल है जिसका कार्यकर्ता भारत के उत्तर, दक्षिण, पूरब से लेकर पश्चिम के हर गांव में मिल जाएगा। 28 दिसंबर 1885 को कुछ बुद्धिजीवियों ने भारत के लोगों की जरूरतों, उनकी समस्याओं के विमर्श के लिए एक मंच की जरूरत महसूस की, जो तत्कालीन हुक्मरानों के समक्ष भारत की जनता की आवाज बन सके, सरकार के द्वारा बनाई जा रही नीतियों में भारतीयों की जरूरतों को स्थान दिलवाया जा सके। इन्ही उद्देश्यों को लेकर 72 सदस्यों ने कांग्रेस की स्थापना की जिनमें एओ ह्यूम, दादाभाई नौरोजी, व्योमेश चन्द्र बेनर्जी, काशीनाथ तेलंग, राघवाचारी प्रमुख थे। कांग्रेस का पहला अधिवेशन व्योमेश चन्द्र बेनर्जी की अध्यक्षता में मुंबई में हुआ। भारतीयों की समस्याओं को उठाने के उद्देश्य के लिए गठित की गई कांग्रेस पार्टी बहुत जल्दी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की मुखर विरोधी बन गयी। गठन से लेकर भारत की आजादी तक कांग्रेस के लगभग 15 मिलियन सदस्य बन गए थे।

गुलाम भारत के लोगों में राजनैतिक चेतना जागृत कर उनमें आजाद मुल्क की ललक पैदा करना एक बड़ा कठिन काम था, जब तक लोगों में आजादी और स्वराज की जरूरत की चेतना जागृत नहीं होगी, अंग्रेजी शासन के खिलाफ कोई भी आंदोलन खड़ा नहीं हो सकता, इस बात को कांग्रेस ने भली भांति समझ लिया था, इसीलिए कांग्रेस ने शुरू से ही अंग्रेजी हुकूमत के विरोध के कार्यक्रमों में आम आदमी को जोड़ा और सामूहिक नेतृत्व पर जोर दिया। 1915 में महात्मा गांधी के भारत आगमन के बाद उन्हें कांग्रेस की अध्यक्षता सौंपी गयी, 1919 में गांधी जी कांग्रेस के प्रतीक पुरुष बन गए और इसके बाद कांग्रेस ने देश भर में अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ जनांदोलनों को खड़ा करना शुरू किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का नारा दिया और रावी नदी के तट पर तिरंगा फहराया गया।

कांग्रेस आजादी का लक्ष्य प्राप्त करने में इसलिए सफल हुई क्योंकि वह लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रही थी। आजादी की लड़ाई में कांग्रेस किसी एक वर्ग की नही बल्कि सम्पूर्ण भारत की अगुवाई कर रही थी। कांग्रेस में कई विचार धाराएं थी, गांधी जी सहित कांग्रेस के नेतृत्वकर्ताओ ने वैचारिक मतभिन्नता का पूरा सम्मान किया तथा विभिन्न विचारों को लेकर स्वतंत्र भारत के एक लक्ष्य के साथ कांग्रेस दुनिया के सबसे बड़े सफल अहिंसक आंदोलन को चलाने में कामयाब हुई। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कांग्रेस भारत के जनमानस की आईना थी। सारा भारत कांग्रेस के साथ था सिर्फ साम्प्रदायिक जातिवादी और अंग्रेजो के प्रति श्रद्धा रखने वाले संगठन जरूर कांग्रेस के खिलाफ थे।

आजादी के बाद छोटे बड़े रजवाड़ो रियासतों को समाहित कर लोकतांत्रिक भारत के निर्माण के साथ समानता वाले भारत का निर्माण, सबको समान

आणथक अवसर के साथ धार्मिक, सामाजिक और लैंगिक समानता को सुनिश्चित करना बहुत बड़ी चुनौती थी। आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू जानते थे कि यह सारे लक्ष्य तभी फलीभूत हो सकते है जब भारत आर्थिक रूप से सुदृढ और सुरक्षित हो, स्वस्थ हो। इसीलिये नेहरू जी ने सिचाई परियोजनाओं के साथ बड़े कल कारखानो की नींव साथ में रखी। नेहरू जी ने विज्ञान और संस्कृति के सामंजस्य वाले भारत की कल्पना की थी। यही कारण था कि उन्होंने देश में आईआईएम, आईआईटी जैसे अभियांत्रिकी प्रबन्ध संस्थानों से लेकर बेहतरीन चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना की। पंडित नेहरू के बाद की कांग्रेस सरकारों ने उनके द्वारा स्थापित इस मजबूत नीव पर आधुनिक भारत की शानदार इमारत की स्थापना पर कोई कसर नही छोड़ी।

नेहरू जी के बाद शास्त्री जी के समय अनाज की उपलब्धता बढ़ाई, देश की सुरक्षा को लक्ष्य रख कर जय जवान जय किसान का नारा दिया गया। इंदिरा जी हरित क्रांति, बीस सूत्री कार्यक्रम, अंतरिक्ष कार्यक्रम, परमाणु कार्यक्रम से सुदृढ़ भारत के लक्ष्य को प्राथमिकता में रखा। राजीव गांधी जब भारत के प्रधानमंत्री बने तब देश को 21वीं सदी की ओर ले जाने के लिए कांग्रेस की प्राथमिकता में सूचना प्रोद्योगीकी और कम्प्यूटर क्रांति थी, मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 करके युवाओं को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने का अवसर दिया, पंचायतों को सशक्तीकरण कर सत्ता के विकेंद्रीकरण का मार्ग भी खोला गया। पीवी नरसिंहराव जी के समय आर्थिक उदारीकरण को अपना कर वैश्विक व्यापारिक जगत में भारत को मजबूती से खड़ा करने का प्रयास किया गया। यूपीए चेयर पर्सन श्रीमती सोनिया गांधी के मार्गदर्शन तथा मनमोहन सिंह के नेतृत्व में आर्थिक सुधारों के साथ खाद्य सुरक्षा कानून, सूचना के अधिकार, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी, शिक्षा का अधिकार, भू–अधिग्रहण जैसे कानूनों को लाकर कांग्रेस ने आम आदमी के जीवन स्तर को सुधारने का प्रयास किया।

2014 में केंद्र की सत्ता तथा 2023 में राज्य की सत्ता हाथ से जाने के बाद कांग्रेस एक सजग विपक्ष की भूमिका निभा रही है। बहुमत के अतिवादी चरित्र का विरोध जिस बेबाकी और निडरता से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, खड़गे जी कर रहे है वह कांग्रेस के उन्ही मूल्यों उपज है जिन मूल्यों को लेकर कांग्रेस ने दुनियां के सबसे बड़े लोकतांत्रिक आंदोलन और भारत के सबसे बड़े राष्ट्रवादी आंदोलन से भारत की आजादी की लड़ाई को लड़ा था। लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाकर पाटऐं के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे अनुभवी शख्स को पार्टी के निचले पायदान ब्लाक अध्यक्ष से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना कांग्रेस जैसे दल में ही संभव है। आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार नेशनल हेराल्ड तथा यंग इंडिया जैसे देश और कांग्रेस की अमूल्य धरोहरों को लेकर केंद्र की सत्तारूढ़ दल भाजपा के द्वारा षड्यंत्र किया गया। कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रहार किया गया। आजादी की लड़ाई के इन प्रतिमानों यंग इंडिया और नेशनल हेराल्ड को बचाने के प्रयासों को ही अपराध साबित करने की कुचेष्टा की गई, लेकिन अदालत में यह षड्यंत्र बेनकाब हो गया।

कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने देश के मजदूरों और वंचित वर्ग के लोगों को रोजगार मुहैया कराने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्श के अनुरूप मनरेगा कानून का निर्माण किया था, वर्तमान केंद्र सरकार ने मनरेगा कानून की मूल आत्मा को नष्ट करने के लिए संसद में नया विधेयक पारित करवाया। इस कानून में महात्मा गांधी के नाम को हटा दिया गया। साथ ही मनरेगा कानून में मजदूरों के लिए रखे गये प्रावधानों को खत्म कर दिया गया। कांग्रेस महात्मा गांधी के विचारों के अनुरूप देश के अंतिम आदमी के साथ हमेशा खड़ी रही है। ऐसे तत्वों को ऐसी कुचेष्टा का हमेशा से विरोध करती रही है। इस षड्यंत्र से कांग्रेस का देश में सर्वधर्म समभाव, सर्वजनहिताय के लक्ष्य को प्राप्त करने का ईरादा कमजोर नहीं होगा।

(लेखक छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं)

त्रिवेदी ने पूछा- क्या राहुल भारत विरोधी वैश्विक ताकतों के नापाक गठजोड़ का हिस्सा बन गए हैं?

भाजपा ने पित्रोदा के बयान को लेकर राहुल पर साधा निशाना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को कहा कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने अपने एक बयान के जरिये कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा बेनकाब कर दिया है। त्रिवेदी ने कहा कि एक इंटरव्यू में पित्रोदा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 'ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस' नाम के एक गठबंधन का हिस्सा है, और राहुल गांधी इसमें हिस्सा लेने जर्मनी गए थे। यह गठबंधन एक ऐसे संगठन से जुड़ा है जो कई ऐसे संगठनों के नेटवर्क का हिस्सा है जो भारत विरोधी हैं और भारत विरोधी बातें फैलाते हैं। जब सैम पित्रोदा से ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस और कांग्रेस के बीच संबंध के बारे में पूछा जाता है, तो वह खुद बताते हैं कि राहुल गांधी इसके प्रेसीडियम में हैं और सैम पित्रोदा इसके सदस्य हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि सैम पित्रोदा के बयान के बाद, मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं कि क्या वे भारत विरोधी वैश्विक साजिश का हिस्सा बन गए हैं, क्या वे भारत विरोधी वैश्विक ताकतों के नापाक गठजोड़ का हिस्सा बन गए हैं?'

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, यह कांग्रेस पार्टी का अंदरूनी मामला है। इसमें कुछ भी बहुत जरूरी नहीं है। दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी की समझ पर सवाल नहीं उठाया। अपनी किताब 'द प्रॉमिसड लैंड' के चैप्टर 24 में बराक ओबामा ने लिखा था कि वह एक ऐसे स्टूडेंट की तरह हैं जो अपने टीचर को इंप्रेस करने की जल्दबाजी में कई तरह के हाव-भाव और एक्सप्रेशन देता है, लेकिन उसमें असली ज्ञान और गंभीरता की कमी है।

जब कोई अमेरिकी राष्ट्रपति किसी के बारे में कोई राय बनाता है, तो वह बहुत लंबे समय तक अमेरिका के आर्काइव्स में दर्ज हो जाती है। उसके बाद, उन्हें अमेरिका की बड़ी-बड़ी यूनिवर्सिटीज़ ने इन्वाइट किया है। क्या यह हैरानी की बात नहीं लगती? यह राहुल गांधी की सभी विदेश यात्राओं की निष्पक्षता और तटस्थता पर सवाल उठाता है। ज्ञात हो कि कांग्रेस के सीनियर नेता दिग्विजय सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने राहुल गांधी को सीधे संबोधित करते हुए पार्टी में सुधार की बात कही। दिग्विजय ने अपने पोस्ट में लिखा, 'सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर तो आप बढ़िया काम कर रहे हैं। इसके लिए आपको पूरे नंबर मिलते हैं लेकिन अब थोड़ा कांग्रेस पर भी ध्यान दीजिए, क्योंकि कांग्रेस में भी चुनाव आयोग की तरह रिफॉर्म की जरूरत हैं। आपने संघटन सृजन के साथ शुरुआत तो कर दी है लेकिन हमें एक ज्यादा डिसेंट्रलाइज्ड फंक्शनिंग की जरुरत है। मुझे पता है आप करेंगे, क्योंकि आप कर सकते हैं। एकमात्र समस्या यह है कि आपको 'मनाना' आसान नहीं है। जय सिया राम..।'

सोरोस ने राष्ट्रवादी ताकतों को हराने 10 लाख डॉलर का फंड दिया...

जॉर्ज सोरोस का जिक्र कर भाजपा ने कहा कि 23 जनवरी 2020 को दावोस में सोरोस ने कहा था कि दुनिया में सिविल सोसाइटी को फिर से स्थापित करने और राष्ट्रवादी ताकतों को हराने के लिए 10 लाख डॉलर का फंड खर्च करने का ऐलान किया था और प्रधानमंत्री मोदी का नाम साफ तौर पर लिया था। राहुल को कांग्रेस के द्वारा सत्ता पाने की संभावनाएं खत्म होती नजर आ रही हैं। वे भारत विरोधी ताकतों की मदद से सत्ता पाने का दिवा-स्वप्न देख रहे हैं।

हमें इससे फर्क नहीं पड़ता

भाजपा ने कहा कि जब पित्रोदा से सवाल किया गया कि आप सोरोस से जुड़े लोगों के साथ उठते बैठते हैं, जिस पर पित्रोदा ने कहा- हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भाजपा ने कांग्रेस को घेरा।

पित्रोदा ने कांग्रेस का असली चेहरा बेनकाब कर दिया

त्रिवेदी ने इसके बाद इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा के एक हालिया बयान पर भी

कांग्रेस को घेरा। त्रिवेदी ने कहा राहुल के लंबे समय के सलाहकार सैम पित्रोदा, जो उनके दिवंगत पिता के भी सलाहकार थे और उनकी विचारधारा और सोच के निर्माता हैं, ने अनजाने में कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा बेनकाब कर दिया है।

कांग्रेस मैच प्रैक्टिस नहीं करती अंपायर को बनाती है दोषी

भाजपा ने कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरी पर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस संगठन पर बैठकें नहीं करती। वह उस बल्लेबाज जैसी है, जो कभी प्रैक्टिस नहीं करता, अंपायर को दोषी मानता है।

खबर संक्षेप

एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात त्यागी की मौत

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात विनय त्यागी की उपचार के दौरान शनिवार को घटना के

तीसरे दिन मौत हो गई। उसका ट्रॉमा सेंटर मे उपचार चल रहा था। पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट में पेशी पर जाते समय बदमाशों ने पुलिस के वाहन पर फायरिंग की थी। त्यागी के सीने, हाथ और गले में गोली लगी थी। एम्स के पीआरओ श्रीलॉय मोहंती ने मौत की पुष्टि की है।

भगदड़ में अल्लू अर्जुन के खिलाफ चार्जशीट पेश

मुंबई। अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा-2' के प्रीमियर के दौरान हुई भगदड़ मामले में पुलिस ने 1 साल

बाद चार्जशीट दाखिल कर दी है। बीते 4 दिसंबर 2024 को ये ये भगदड़ हैदराबाद के संध्या थिएटर जो आरटीसी एक्स रोड्स पर है, में एक महिला की मौत हो गई थी। वहीं एक छोटा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस पर कार्रवाई की गई है।

सबरीमला में मंडला पूजा पहुंचे हजारों श्रद्धालु

सबरीमला। वार्षिक तीर्थयात्रा के 41 दिन लंबे पहले चरण के समापन के अवसर पर पवित्र

सबरीमला पर्वत पर भगवान अयप्पा मंदिर में आयोजित मंडला पूजा में शनिवार को हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। औपचारिक शोभा यात्रा के जरिए मंदिर परिसर लाई गई पवित्र स्वर्ण पोशाक 'थंका अंकी' भगवान को धारण कराए जाने के बाद मंडला पूजा की गई।

2025 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ी

वित्त वर्ष 2025 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या का आंकड़ा 16.54 करोड़ तक पहुंच गया, जो

कि सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। यह आंकड़ा कोविड-पूर्व स्तर के लगभग 14.15 करोड़ से 16.8 प्रतिशत अधिक है। भारतीय वाहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 3.38 करोड़ रही, जो कि सालाना आधार पर 14.1% की वृद्धि है।

कोर्ट ने सजा दी, कोर्ट ने ही जमानत दीः ब्रजभूषण

नई दिल्ली। उन्नाव रेप केस में दोषी ठहराए गए पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा

निलंबित होने के बाद देशभर में उठे विरोध के बीच भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह उनके समर्थन में आ गए हैं। जब सजा देने वाली और सजा निलंबित करने वाली संस्था एक ही है तो शोर क्यों?

बंगाल में एसआईआर कैंप में वोटर चिंतित और परेशान

चुनाव आयोग अब वॉट्सएप आयोग बना, कार्यालय का घेराव भी करेंगे

सीईसी से मिलेंगे पार्टी के नेता

टीएमसी सांसद अभिषेक ने चुनाव आयोग पर करारा हमला बोला

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लेकर रार मचा हुआ है। एक तरफ जहां एसआईआर के शुरुआती चरण में 32 लाख मतदाता अज्ञात पाए गए हैं, इसके बाद राज्य में कई जगहों पर एसआईआर शिविर लगाए गए हैं। वहीं टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग पर करारा हमला बोला है। इसके साथ ही पार्टी ने तय किया है कि एसआईआर के मुद्दे पर उसका एक 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 31 दिसंबर को चुनाव आयोग से मिलेगा। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के तहत सुनवाई की प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई। राज्य भर में हजारों अज्ञात मतदाता सुनवाई शिविरों में पहुंचे, जहां उन्हें अपने वोटर विवरण में गड़बड़ियों को लेकर भ्रम और चिंता का सामना करना पड़ा। उत्तर 24 परगना की बारासात निवासी अंकिता मुखर्जी, जो चेन्नई में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल हैं, को नोटिस मिलने के बाद छुट्टी लेकर अपने गांव आना पड़ा। उनके नाम की वर्तनी में गड़बड़ी के कारण उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

बंगाल में पहले दिन 3234 केंद्रों पर हुई सुनवाई

राज्य के कई हिस्सों में बुजुर्ग मतदाता भी परेशान दिखे। 75 वर्षीय एक व्यक्ति को केवल उपनाम की

वर्तनी में अंतर के कारण बुलाया गया। बीरभूम के बोलपुर में 62 वर्षीय सौमित्र मित्र को 2002 से पहले के रिकॉर्ड न होने की वजह से दिक्कत आई। कई ने कहा कि उन्होंने आधार, वोटर कार्ड, राशन कार्ड और अन्य दस्तावेज जमा किए, फिर भी उन्हें यह समझ नहीं आ रहा कि उन्हें सुनवाई के लिए क्यों बुलाया गया। चुनाव आयोग के अनुसार, शनिवार को राज्य भर में 3234 केंद्रों पर सुनवाई हुई। पहले चरण में करीब 32 लाख ऐसे अज्ञात मतदाताओं को बुलाया जाएगा, जो 2002 की मतदाता सूची से अपना संबंध स्थापित नहीं कर पाए हैं। एसआईआर के बाद 16 दिसंबर को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में करीब 58 लाख नाम हटाए गए हैं, जिनमें मृत्यु, पलायन और फॉर्म जमा न करने जैसे कारण बताए गए हैं।

बंगाल में क्यों भेजे गए माइक्रो-ऑब्जर्वर?

उन्होंने सवाल उठाया कि पश्चिम बंगाल में माइक्रो-ऑब्जर्वर क्यों भेजा गया, जबकि गुजरात जैसे राज्यों में ऐसा क्यों नहीं किया गया। बनर्जी ने आरोप लगाया कि एसआईआर को चुनिंदा तरीके से केवल बंगाल में लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब ड्राफ्ट लिस्ट में 80 फीसदी डेटा मैपिंग पूरी दिखाई जा रही है, तो पहले यह कैसे कहा गया कि 40-50 फीसदी मैपिंग का पता ही नहीं लगाया जा सकता। अभिषेक बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग सही सूची छिपा रहा है और केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है।

ईसीआई के एप में खामियों का मुद्दा भी उठाया

उन्होंने ईसीआई के एप में खामियों का मुद्दा भी उठाया और दावा किया कि एक महिला, सीमा खन्ना, इस एप का संचालन कर रही हैं। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उनके पास एप में गड़बड़ियों को स्वीकार करने के स्क्रीनशॉट मौजूद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 31 दिसंबर तक चुनाव आयोग से संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो टीएमसी आयोग का घेराव करेगी। अभिषेक बनर्जी ने 2 से 22 जनवरी तक राज्यभर में अभियान चलाने की घोषणा की है।

31 दिसंबर को आयोग से मिलेगा टीएमसी प्रतिनिधिमंडल

इस बीच तृणमूल कांग्रेस का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 31 दिसंबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में अभिषेक बनर्जी और डेरेक ओ'ब्रायन भी शामिल होंगे। टीएमसी नेताओं का कहना है कि वे एसआईआर प्रक्रिया में खामियों और आम लोगों को हो रही परेशानी को आयोग के सामने मजबूती से रखेंगे। बंगाल की सियासत में एसआईआर को लेकर माहौल गरम है। एक ओर चुनाव आयोग प्रक्रिया को पारदर्शी बता रहा है, वहीं दूसरी ओर टीएमसी इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बता रही है।

उत्पीड़न के आरोप लगाएः काकली

टीएमसी की सांसद काकली घोष दस्तीदार ने चुनाव आयोग पर मतदाताओं को परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के चार सदस्यों, दो बेटे, मां और बहन को एसआईआर के तहत सुनवाई के लिए नोटिस भेजा गया है। उनकी मां और बहन उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में लंबे समय से मतदाता हैं, जबकि उनके दोनों बेटे दक्षिण कोलकाता में रहते हैं। इसके बावजूद उनके नाम अज्ञात बताए गए, जो हैरान करने वाला है। उन्होंने इसे अपने परिवार का उत्पीड़न बताया। आयोग ने इन आरोपों को भ्रामक करार दिया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा कि दस्तावेजों में आवश्यक लिंक न होने के कारण नियमों के तहत सुनवाई के लिए बुलाया गया है।

कई मौतें हुईं

बनर्जी ने आयोग पर तीखा हमला करते हुए उसे 'वॉट्सएप आयोग' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान राज्य को परेशान करने के लिए किया जा रहा है और चुनाव आयोग को इसके लिए बंगाल के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 45 लोगों की मौत हुई है, छह लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

एमपी पीएमटी-2011 परीक्षा में फर्जीवाड़ा

व्यापमं घोटालाः सीबीआई कोर्ट ने 12 दोषियों को 5-5 साल की सश्रम कैद की सजा सुनाई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के बहुचर्चित व्यापमं घोटाले से जुड़े एक अहम मामले में इंदौर स्थित सीबीआई की विशेष अदालत (व्यापमं प्रकरण) ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने एमपी पीएमटी-2011 परीक्षा में फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी के मामले में 12 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को 5-5 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 6,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

दोषी ठहराए गए आरोपियों में अभ्यर्थी, फर्जी परीक्षार्थी (इम्पर्सोनेटर) और बिचौलिये शामिल हैं। सजा पाने वालों में आशीष यादव उर्फ आशीष सिंह, सत्येंद्र वर्मा, धीरेंद्र तिवारी, बृजेश जायसवाल, दुर्गा प्रसाद यादव, राकेश कुर्मी, नरेंद्र चौरसिया, अभिलाष यादव, खूबचंद राजपूत, पवन राजपूत, लखन धंगर और सुंदरलाल धंगर शामिल हैं।सीबीआई के अनुसार, दीपक गौतम, जो घटना के समय नाबालिग था, उसके मामले में पहले ही 9 जुलाई 2022 को किशोर न्याय बोर्ड, इंदौर द्वारा किशोर न्याय अधिनियम के तहत जुर्माना और बांड की शर्तों पर कार्रवाई की जा चुकी है।

यह मामला शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, इंदौर के उप प्राचार्य की शिकायत से सामने आया था, जिसमें एमपी पीएमटी-2011 परीक्षा के दौरान प्रतिरूपण (इम्पर्सोनेशन) पकड़ा गया था। 24 जुलाई 2011 को परीक्षा के दौरान सत्येंद्र वर्मा को आशीष यादव उर्फ आशीष सिंह के स्थान पर परीक्षा देते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया, जिसके बाद थाना तुकोगंज, इंदौर में एफआईआर क्रमांक 523/2011 दर्ज की गई थी।

शुरुआत में राज्य पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया था, लेकिन बाद में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर मामला सीबीआई को सौंपा गया, जिसने पुनः पंजीकरण कर विस्तृत जांच की।

संगठित नेटवर्क ने काम किया

सीबीआई जांच में सामने आया कि एमपी पीएमटी-2011 परीक्षा में एक संगठित नेटवर्क के जरिए फर्जी परीक्षार्थियों की व्यवस्था की जाती थी। बिचौलियों द्वारा इम्पर्सोनेटरों को इंदौर लाया गया, उन्हें होटलों में ठहराया गया और फर्जी दस्तावेजों व प्रवेश पत्रों के जरिए परीक्षा में बैठाया गया। जांच के दौरान दस्तावेजी साक्ष्य, होटल रिकॉर्ड और आरोपियों के खुलासों से अभ्यर्थियों, इम्पर्सोनेटरों और बिचौलियों की साजिश की पुष्टि हुई। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। सीबीआई ने कहा कि यह फैसला व्यापमं घोटाले के खिलाफ चल रही व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है, जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल, जालसाजी और आपराधिक साजिश के मामलों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

आईजीएमसी में डॉक्टर और मरीज के बीच हाथापाई

प्रदेशभर के स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं ठप रहीं

रेजिडेंट डॉक्टर गए आकस्मिक अवकाश पर, नारेबाजी भी की

108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारी भी हड़ताल पर गए

एजेंसी ▶▶ शिमला

इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में डॉक्टर और मरीज के बीच हुई हाथापाई मामले ने तूल पकड़ लिया है। शुक्रवार

को डॉक्टरों के कैजुअल लीव पर जाने से प्रदेशभर के स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं ठप रहीं। मरीज इलाज के लिए भटकते रहे। अभी तक मरीजों को ऑपरेशन की अगली तारीख नहीं दी गई है। अब डॉक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। दूसरी ओर 108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारियों के भी हड़ताल पर जाने से मरीजों की परेशानी और बढ़ा दी है।

डॉक्टर की सेवाएं समाप्त करने पर गुस्सा बढ़ा

मरीज से मारपीट के आरोप में डॉ. राघव की सेवाएं समाप्त किए जाने के बाद रेजिडेंट डॉक्टर गुस्से में हैं। टांडा, नाहन, नेरचौक, चंबा और हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में सेवाएं प्रभावित रहने का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ा। ओपीडी के बाहर मरीजों की लंबी कतारें लगी रहीं। लेकिन बिना उपचार किए घर लौटना पड़ा। ओपीडी में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती भी मरीजों की भीड़ के आगे वह भी बेबस रही।

असम में 40% बांग्लादेशी

प्रदेश की मूल पहचान खतरे में, राज्य बारूद के ढेर पर

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने एक कार्यक्रम में दावा किया कि

राज्य की कुल जनसंख्या में से 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में 34 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी, 3 फीसदी असमी मुस्लिम थे, तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या करीब 34 प्रतिशत थी।

यहां के हालात को बताया चिंताजनक

सरमा ने कहा कि असम एक बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सरमा ने कहा कि चिंताजनक बात ये है कि इन लोगों को भारत में अब वैधता मिल चुकी है। राज्य की मूल पहचान खतरे में है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ असम बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

80 से ज्यादा ट्रेनें विलंब से चल रहीं, तेजस रद्द

नई दिल्ली। कोहरे के कारण ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं। नई दिल्ली-लखनऊ तेजस एक्सप्रेस रद कर दी गई। वंदे भारत और हमसफर 20 घंटे देरी से दिल्ली पहुंचीं। 80 से ज्यादा ट्रेनें दो से 21 घंटे की देरी से पहुंचीं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फैसल पुत्र फरीद निवासी मकान नं. 154, गली नं. 5, अंबेडकर बस्ती, मौजपुर, दिल्ली ने ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 7915/2015 धारा 379/411 एनआई एक्ट, थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **फैसल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **फैसल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 7915/2015 धारा 379/411 एनआई एक्ट, थाना भजनपुरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **फैसल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.02.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-01, कमरा नं. 73, पाँचवा तल
DP/17153/NE/2025 उत्तर-पूर्व जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली

एनसीपी (एसपी) और अजित की एनसीपी के मर्जर की चर्चाएं तेज

एकता की बयार...चाचा-भतीजे की जुगलबंदी का ब्लूप्रिंट तैयार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) और अजित पवार की एनसीपी के मर्जर की चर्चाएं तेज हैं। बताया जा रहा है कि ऐसा होने की सूरत में पुराना समझौते का ब्लूप्रिंट ही अमल में लाया जाएगा। इस समझौते के मुताबिक अजित पवार महाराष्ट्र की सियासत संभालेंगे। वहीं, लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले के जिम्मे दिल्ली रहेगी और वह राष्ट्रीय स्तर के मामले देखेंगी। बेहद विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से आ रही खबर में यह दावे किए जा रहे हैं।

समझौते के अनुसार अजित संभालेंगे महाराष्ट्र की सियासत

शरद के संन्यास लेने की चर्चा

असल में एनसीपी-एसपी के दिग्गज शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल 2026 में खत्म हो जाएगा। माना जा रहा है कि 85 साल के हो चुके शरद पवार, इसके बाद सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लेंगे। पहले भी शरद राजनीति छोड़कर सोशल वर्क को ज्यादा समय देने की इच्छा जता चुके हैं। कहा जा रहा है कि पारिवारिक कार्यक्रमों से इतर पवार परिवार के बीच कई मीटिंग्स का दौर चला है।

सुले को केंद्र की राजनीति की स्वतंत्रता रहेगी

यह भी चर्चा की गई कि अजित लोकसभा सांसद सुले के भविष्य को सुनिश्चित करेंगे और उन्हें केंद्र की राजनीति में पूरी स्वतंत्रता देंगे। वजह, उन्होंने दिल्ली में राजनीति को राज्य की तुलना में अधिक कुशलता से संभालने का प्रदर्शन किया है।

बीएमसी चुनाव में विपक्षी एकता का गुब्बारा फूटा कांग्रेस का अलग राग

बीएमसी के चुनाव में एमवीए के साथ ही इंडिया गठबंधन भी पूरी तरह दरक गया है। चुनाव के लिए 15 जनवरी को वोटिंग होनी है और उससे पहले तमाम कोशिशों के बाद भी एमवीए में शामिल दल एकजुट नहीं हो सके। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से हाथ मिला तो कांग्रेस ने इससे पहले ही एमवीए से अलग होकर लड़ने का ऐलान कर दिया था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कुनाल उर्फ जाट** पुत्र अमित उर्फ सोनू जाट निवासी ए–1/891, जे.जे. कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 508/24 धारा 118(2)/126(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, थाना कालिंदी कुंज, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कुनाल उर्फ जाट** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कुनाल उर्फ जाट** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 508/24 धारा 118(2)/126(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, थाना कालिंदी कुंज, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **कुनाल उर्फ जाट** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **10.02.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री आजाद सहरावत,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–10 (दक्षिण पूर्व)
कमरा नं. 307, तृतीय तल,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली
DP/17412/SE/2025

इस साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने किया निराश

■ लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी ■ रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा ■ साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलचल @2025
बिजनेस डेस्क

लार्ज कैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़े मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करता है, जो आमतौर पर देश की टॉप 100 कंपनियां होती हैं। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित, वित्तीय रूप से मजबूत और अक्सर अपने क्षेत्रों में बाजार के नेता होती हैं। लार्ज कैप फंड्स को स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाना जाता है, जो उन्हें रूढ़िवादी निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टोरल रोटेशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ड एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2–3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों की उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टोरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महिंद्रा मैनुलिफ़ जैसे फंड्स ने 10–11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।

लार्ज कैप फंड के फायदे

- **स्थिरता:** लार्ज कैप कंपनियां बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होती हैं।
- **सुसंगत प्रदर्शन:** ये कंपनियां लंबे समय में स्थिर रिटर्न प्रदान करती हैं।
- **निम्न जोखिम:** लार्ज कैप फंड्स में निवेश करने से जोखिम कम होता है।
- **डिविडेंड आय:** कई लार्ज कैप कंपनियां नियमित डिविडेंड वितरित करती हैं।
- **विविधीकरण:** लार्ज कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न भले ही कुछ कमजोर दिख रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएंटेड	5.45%
ईएलएसएस	3.52%
सेक्टोरल-आटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टोरल-बैंकिंग	17.42%
सेक्टोरल-फार्मा	0.04%
सेक्टोरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआई प्रू	11.50%
निप्पॉन इंडिया इंडेक्स निफ्टी-50	11.40%
मीराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महिंद्रा मैन्युलाइफ	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- एसबीआई ब्लूचिप फंड
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- डीएसपी लार्ज कैप फंड

स्मॉल कैप फंड के फायदे

- **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
- **निम्न मूल्यांकन:** स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश की लागत कम होती है।
- **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है। **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

स्मॉल कैप फंड के नुकसान

- **उच्च जोखिम :** स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
- **अस्थिरता :** स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बदल सकता है।
- लिक्विडिटी : स्मॉल कैप शेयरों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।

2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

■ निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया ■ अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें ■ चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

साल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

चांदी में आई 110-130% की भारी बढ़त के बाद मुनाफावसूली करना सही रहेगा। अपने मुनाफे का 25 से 33 फीसदी हिस्सा निकाल लें और जब बाजार गिरे तो फिर से खरीदारी करें। 5 साल के नजरिए से निवेश करना अभी भी अच्छा है। बस इमोशनल होकर फैसला न लें और अनुशासन बनाए रखें। हालांकि मांग मजबूत है। लेकिन कम समय के लिए पैसा लगाने वालों को उतार-चढ़ाव से सावधान रहना चाहिए। वे सलाह देते हैं कि जो लोग ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश कर रहे हैं, उन्हें तेजी आने पर कुछ मुनाफा निकाल लेना चाहिए।

कितना दिया रिटर्न?

साल 2025 में अब तक सिल्वर ईटीएफ ने औसतन 127.31% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 21 अलग-अलग फंड्स ने 122% से लेकर 130% तक का मुनाफा कराया। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ 130.02% रिटर्न के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एसबीआई सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने 129.46% का रिटर्न दिया। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 127.61% और टाटा सिल्वर ईटीएफ ने करीब 122.68% का फायदा कराया।

क्या अब देर हो गई है?

अब उतने बड़े लेवल पर पैसा लगाना शायद सही न हो जितना कुछ महीने पहले था। चांदी आपके कुल निवेश का छोटा हिस्सा (5-9%) ही होनी चाहिए। नए निवेशकों को एक साथ सारा पैसा लगाने के बजाय किश्तों (एसआईपी) में निवेश करना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है, लेकिन एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। अगर चांदी के दाम गिरकर 1,70,000 से 1,78,000 रुपये प्रति किलो के पास आएं, तो खरीदारी का अच्छा मौका होगा।

आगे क्या होगा?

जानकारों का कहना है कि अब, जबकि चांदी 2 लाख रुपये के पार है, तो 2026 के लिए अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेंगी भी। वहीं, निकुंज सर्राफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सप्लाई की कमी की वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश : सिल्वर ईटीएफ चांदी में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिक्विडिटी : सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत : सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण : सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव : सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ

- कोटक सिल्वर ईटीएफ
- एसबीआई सिल्वर ईटीएफ
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ
- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ

छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इंश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चेतावनी नहीं रहा, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चक्रवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही है और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर पड़ रहा है, जिनकी आमदनी रोज के कारोबार पर टिकी होती है। जानकारों का कहना है कि अधिकतर छोटे व्यापारी सीमित बचत के साथ काम करते हैं। ऐसे में अगर किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से दुकान या कारखाना कुछ दिनों के लिए भी बंद हो जाए, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई बार कुछ दिन का नुकसान ही महीनों की कमाई पर भारी पड़ जाता है।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव

"क्लाइमेट इंश्योरेंस छोटे व्यापारियों के लिए एक ऐसा सुरक्षा साधन है, जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करता है। इस बीमा के तहत बाढ़, तेज बारिश, गर्मी या चक्रवात जैसी घटनाओं से दुकान, गोदाम, मशीनरी और सामान को हुए नुकसान को कवर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, अगर किसी आपदा की वजह से कारोबार अस्थायी रूप से बंद करना पड़े और आमदनी रुक जाए, तो क्लाइमेट इंश्योरेंस से आय के नुकसान की भरपाई भी की जा सकती है।" इस तरह का बीमा छोटे व्यापारियों को जल्दी दोबारा कारोबार शुरू करने में मदद करता है। बिना बीमा के कई व्यापारी मरम्मत या दोबारा स्टॉक खरीदने के लिए पैसों का इंतजाम नहीं कर पाते, जिससे दुकान लंबे समय तक बंद रहती है। इसका नतीजा यह होता है कि ग्राहक दूसरी जगह चले जाते हैं और कारोबार को दोबारा खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। कई मामलों में तो छोटे व्यवसाय पूरी तरह से उबर ही नहीं पाते।

पैरामीट्रिक इंश्योरेंस

आज के समय में क्लाइमेट इंश्योरेंस के ऐसे समाधान भी मौजूद हैं, जो खास तौर पर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए बनाए गए हैं। इनमें से एक है पैरामीट्रिक इंश्योरेंस। यह पारंपरिक बीमा से अलग होता है, क्योंकि इसमें नुकसान का लंबा आकलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। "पैरामीट्रिक इंश्योरेंस में पहले से तय मौसम से जुड़े संकेतकों, जैसे तय सीमा से ज्यादा बारिश या तापमान बढ़ने पर, अपने आप भुगतान सक्रिय हो जाता है। इससे बीमा राशि जल्दी मिल जाती है। यह व्यवस्था एमएसएमई के लिए इसलिए फायदेमंद है, क्योंकि इसमें पुराने नुकसान के विस्तृत रिकॉर्ड की जरूरत नहीं होती, इसे समझना आसान होता है और आपदा के समय तुरंत पैसा मिल जाता है।" जब किसी आपदा के तुरंत बाद पैसे मिल जाते हैं, तो व्यापारी जल्दी मरम्मत करा सकते हैं, नया सामान ला सकते हैं और दोबारा काम शुरू कर सकते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास भी बना रहता है कि मुश्किल हालात में भी वे फिर से खड़े हो सकते हैं।

सुरक्षा नहीं, बल्कि जरूरत बनाता क्लाइमेट इंश्योरेंस

क्लाइमेट इंश्योरेंस को अब सिर्फ एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों के लिए एक बुनियादी सुरक्षा उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। यह न सिर्फ उनकी आमदनी की रक्षा करता है, बल्कि आपदा के बाद जल्दी संभलने में भी मदद करता है। अचानक आने वाले जलवायु से जुड़े झटकों के बावजूद कारोबार को जारी रखने में यह अहम भूमिका निभाता है। बदलते मौसम और बढ़ती अनिश्चितताओं के दौर में छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए क्लाइमेट इंश्योरेंस एक ऐसा सहारा बन सकता है, जो मुश्किल समय में उन्हें पूरी तरह टूटने से बचाए और फिर से आगे बढ़ने का भरोसा दे।

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल वैश्विक हालात में घरेलू खपत बढ़े और अर्थव्यवस्था को सहारा मिले। विदेशी टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ये बदलाव घरेलू मांग को मजबूत करने पर फोकस करते हैं। अब नजर कस्टम्स ड्यूटी को सरल बनाने और रेट कम करने पर है।

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 22 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इनवर्टेड ड्यूटी की समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से झगड़े कम होंगे और कंप्लायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा दबाव पड़ा और ग्रोथ धीमी हुई।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर वो पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।

इनकम टैक्स में राहत

मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा

डायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुए। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का ऐलान हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट हैं लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।

नए रेट कुछ इस तरह

- 4 से 8 लाख रुपये तक 5%
- 8 से 12 लाख रुपये तक 10%
- 12 से 16 लाख रुपये तक 15%
- 16-20 लाख रुपये पर 20%
- 20-24 लाख रुपये पर 25%
- 24 लाख रुपये से ऊपर 30%

टैक्स कलेक्शन धीमा

इन कटौती से अप्रैल से दिसंबर मध्य तक नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन धीमा पड़ा। व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म्स का नेट टैक्स सिर्फ 6.37% बढ़कर 8.47 लाख करोड़ हुआ, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 10.54% बढ़कर 8.17 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इस साल रिफंड 14% घटकर 2.97 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहे। अगले साल से नया सिंपल इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर पुराने 1961 के एक्ट की जगह लेगा। सिगरेट पर एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी और पान मसाला पर सेस लगाने के दो नए कानून भी सरकार जब चाहे लागू कर देगी।

कस्टम्स ड्यूटी पर अब फोकस

जीएसटी और इनकम टैक्स के बड़े सुधार हो जाने के बाद अब नजर कस्टम्स पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कस्टम्स को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार होगा। इनकम टैक्स जैसी पारदर्शिता और फेसलेस असेसमेंट कस्टम्स में लाना जरूरी है। साथ ही ड्यूटी रेट को रेशनलाइज करना भी। पिछले दो साल में कस्टम्स ड्यूटी लगातार घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा हैं, उन्हें कम करना बाकी है। वित्त मंत्री ने कहा था, "कस्टम्स मेरा अगला बड़ा क्लीन-अप काम है।" 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गुड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रेड के बदलते पैटर्न, कंप्लायंस कॉस्ट और प्रोसीजर की दिक्कतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी हैं।

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़े

सात लाख को ऐसे करें निवेश, मिलेगा बड़ा फायदा, एक एफडी में लगाएं पैसे या फिर कई सारी का विकल्प बेहतर

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक

बिजनेस डेस्क

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन दोनों चाहिए, लेकिन उसे समझदारी से कहां निवेश किया जाए, यह फैसला उतना ही अहम होता है। आज के दौर में सिर्फ पैसे बचाकर रखना न तो सुरक्षित भविष्य की गारंटी देता है और न ही महंगाई को मात दे पाता है। मजबूत फाइनेंशियल कुशल बनने के लिए जरूरी है कि निवेश आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय के हिसाब से किया जाए। शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और सरकारी बचत योजनाओं जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन, इसके बावजूद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी सुरक्षा और स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं।

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन चाहिए

एफडी क्यों है सबसे भरोसेमंद विकल्प

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में गिना जाता है। क्योंकि इसमें पूंजी सुरक्षित रहती है और रिटर्न पहले से तय होता है। एफडी की ब्याज दर पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी नहीं पड़ता। साथ ही, डीआईसीजीसी इंश्योरेंस के तहत 5 लाख रुपये तक की जमा रकम सुरक्षित रहती है। इससे निवेशकों को अतिरिक्त भरोसा मिलता है। बैंक और एनबीएफसी 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी की सुविधा देते हैं। हालांकि, एफडी से बेहतर रिटर्न पाने के लिए सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं होता, बल्कि सही अवधि और सही स्ट्रक्चर चुनना भी जरूरी होता है।

एक एफडी या कई एफडी, किसमें फायदा

निवेशकों के मन में अक्सर यह उलझन रहती है कि पूरी रकम एक ही एफडी में लगाई जाए या उसे कई एफडी में बांटा जाए। अब मान लीजिए आपके पास 7 लाख रुपये हैं, तो क्या 7 लाख की एक एफडी बेहतर है या 1-1 लाख की सात एफडी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर ब्याज दर समान है, तो मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम दोनों ही मामलों में बराबर रहेगी। फर्क सिर्फ सुविधा, लचीलापन और जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की आसानी में होता है।

बड़ी एफडी के फायदे क्या हैं

एक बड़ी एफडी का सबसे बड़ा फायदा इसकी सादगी है। इसमें आपको सिर्फ एक ही डिपॉजिट करना होता है, एक ही मैच्योरिटी डेट होती है और ब्याज भी एक जगह ही जुड़ता है। निवेश को ट्रैक करना आसान रहता है, न तो कई एफडी रसीदें संभालने की झंझट होती है और न ही अलग-अलग मैच्योरिटी याद रखने की जरूरत पड़ती है। जो निवेशक 'लगाओ और भूल जाओ' वाला तरीका पसंद करते हैं, उनके लिए यह विकल्प काफी सुविधाजनक माना जाता है। लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से ब्याज दर स्थिर रहती है और निवेशक बिना किसी रुकावट के मैच्योरिटी तक बेहतर रिटर्न हासिल कर सकता है। खासकर रिटायर्ड लोग या ऐसे निवेशक, जिनके पास पहले से इमरजेंसी फंड मौजूद है, उनके लिए एक बड़ी एफडी मानसिक शांति देने वाला विकल्प बन सकती है।

एक बड़ी एफडी के नुकसान समझना जरूरी

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाए। अगर आपको सिर्फ 50,000 रुपये चाहिए, तो आप आंशिक निकासी नहीं कर सकते। पूरी एफडी तोड़नी पड़ेगी, जिस पर पूरे अमाउंट पर पेनल्टी लगेगी और कुल रिटर्न घट जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा का पहलू भी अहम है। भारत में डीआईसीजीसी नियमों के तहत एक बैंक में जमा राशि पर सिर्फ 5 लाख रुपये तक का ही इंश्योरेंस मिलता है। ऐसे में 7 लाख रुपये एक ही बैंक में रखने पर 2 लाख रुपये अनइंश्योर्ड रह जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पूरी रकम नहीं, सिर्फ एक एफडी तोड़नी पड़ती है, जिससे बाकी पैसा ब्याज कमाता रहता है। प्रीमैच्योर विदड्रॉल की पेनल्टी सिर्फ उसी एफडी पर लगती है, पूरी रकम पर नहीं।

आईएलटी20 : शारजाह वॉरियर्स प्लेऑफ दौड़ से बाहर

एजेंसी ▶▶| शारजाह

तेज गेंदबाज नसीम शाह की शानदार गेंदबाजी और मैक्स होल्डन के नाबाद अर्धशतक की मदद से डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स पर पांच विकेट से जीत हासिल कर उसे आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस मैच के परिणाम से यह सुनिश्चित हो गया कि अबू धाबी नाइट राइडर्स या गल्फ जायंट्स में से कोई एक टीम प्लेऑफ में जगह बनाएगी।

डेजर्ट वाइपर्स, एमआई एमिरेट्स और दुबई कैपिटल्स की टीम पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। नसीम शाह ने 35 रन देखकर तीन विकेट लिए और वॉरियर्स को सात विकेट पर 140 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। वॉरियर्स की तरफ से जॉनसन चार्ल्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। मैक्स होल्डन की 46 गेंद पर नाबाद 66 रन की पारी की मदद से वाइपर्स ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 144 रन बनाकर जीत हासिल की।

5 विकेट से जीता डेजर्ट वाइपर्स

एसए20 : डरबन सुपर ने एमआई केपटाउन को हराया

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

रयान रिकेलटन के शतक के बावजूद एमआई केपटाउन को एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र के पहले मैच में डरबन सुपर जायंट्स से 15 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इस मैच में खूब रन वर्षा देखने को मिली तथा कुल मिलाकर 449 रन बने, जिसमें 25 छक्के और 40 चौके शामिल हैं। रिकेलटन के 65 गेंदों पर पांच चौकों और 11 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम 233 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट पर 217 रन ही बना सकी। एमआई केपटाउन की तरफ से रिकेलटन के अलावा जैसन स्मिथ ने 41 रन का योगदान दिया।

सुपर जायंट्स ने इससे पहले पांच विकेट पर 232 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया था। उसकी तरफ से न्यूजीलैंड की सलामी जोड़ी डेवोन कॉनवे (33 गेंदों में 64 रन, सात चौके, दो छक्के) और केन विलियमसन (25 गेंद पर 40 रन) ने पावरप्ले में दबदबा बनाते हुए सिर्फ 8.3 ओवर में 96 रन जोड़े। इसके बाद जोस बटलर (12 गेंदों में 20 रन) और हेनरिक क्लासेन (14 गेंदों में 22 रन) ने लय को बरकरार रखा। उनके अलावा एडेन मार्क्रम ने 17 गेंदों में 35 और इवान जोन्स ने 14 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए।

रिकेलटन की तूफानी सेंचुरी

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे ड्रेपर

लंदन। चोटिल होने के कारण विंबलडन के बाद से केवल एक टेनिस मैच खेलने वाले जैक ड्रेपर अगले महीने होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी वापसी नहीं कर पाएंगे। विश्व रैंकिंग में दसवें स्थान पर काबिज ड्रेपर बायीं बांह की हड्डी में चोट लगने के कारण 2025 के सत्र में अधिकतर टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। ब्रिटेन के इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर लिखा, 'दुर्भाग्य से मैंने और मेरी टीम ने इस साल ऑस्ट्रेलिया न जाने का फैसला किया है। यह बहुत मुश्किल फैसला था क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन हमारे खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक है।' उन्होंने कहा, 'मैं चोट से उबरने के अंतिम चरण में हूं लेकिन मुझे इतनी जल्दी पांच सेटों के टेनिस मैच में खेलने के लिए कोर्ट पर वापसी करना इस समय समझदारी भरा फैसला नहीं लगता।'

बांग्लोदश प्रीमियर लीग में हादसा, मैदान में कोच की मौत

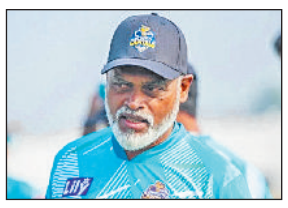

ढाका। ढाका कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच महबूब अली जकी का निधन हो गया है। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में शनिवार को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में राजशाही वॉरियर्स के खिलाफ ढाका के ओपनिंग मैच से कुछ देर पहले मैदान पर दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। यह घटना मैच शुरू होने से ठीक पहले हुई, जब टीम की तैयारियों के दौरान जकी अचानक बीमार पड़ गए और वह जमीन पर गिर गए। वेन्यू पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने तुरंत उनका इलाज किया।

आज से एचआईएल, खिताब पर होगी टीमों की नजर

रांची। रांची रॉयल्स घरेलू दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाकर रविवार से शुरू हो रही चार टीमों की महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में दबदबा कायम करने की कोशिश करेगी जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की नजरें खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी। मेजबान टीम पिछले सत्र की कुछ उथल-पुथल के बाद टूर्नामेंट में खेल रही है क्योंकि शुरूआती सत्र की विजेता ओडिशा वॉरियर्स (महिला टीम) ने पहले सत्र के बाद हटने का फैसला किया और उसके बाद उनकी जगह रांची रॉयल्स फ्रेंचाइजी ने ली।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

एशेज : इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर फेरा पानी

बॉक्सिंग डे टेस्ट : इंग्लैंड की 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत, 2 दिन के अंदर कंगारुओं को चटाई धूल

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में 4 विकेट से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया में पिछले 18 मैच में जीत हासिल नहीं कर पाने का सिलसिला रोक दिया। इंग्लैंड श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट मैच हार गया था, जिससे आस्ट्रेलिया ने केवल 11 दिन में एशेज अपने पास बरकरार रखी थी।

इंग्लैंड ने हालांकि चौथे टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर जीतकर ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहला मैच दो दिन से जीता था। यह 129 वर्षों में पहला अवसर है जबकि किसी एक श्रृंखला के दो मैच दो दिन में समाप्त हो गए। इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले आखिरी बार 2010-11 की श्रृंखला में मैच जीता था। उसने तब यह श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए लगभग 15 वर्षों में 18 टेस्ट मैचों में से 16 मैच हारे थे जबकि बाकी दो मैच ड्रॉ रहे।

एमसीजी पिच पर दो दिन में गिरे 36 विकेट

एमसीजी की पिच पर तेज गेंदबाजों की तूती बोली। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने मैच के छठे सत्र में ही जीत हासिल की। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की। पहले 10 ओवर में ही उसने बेन डकेट (34) और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे गए ब्रायडन कार्स (06) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 70 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड ने जाक क्रॉली (37) और जैकब बेथेल (40) को आउट किया। इन दोनों ने हालांकि अहम योगदान दिया। क्रॉली ने डकेट के साथ पहले विकेट के लिए 51 और बेथेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 रन की महत्वपूर्ण साझेदारियां की। जो रूट (15) और स्टोक्स (02) सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 03) और हैरी ब्रूक (नाबाद 18) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस तरह से इंग्लैंड ने चार जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत हासिल की।

इंग्लैंड ने 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबोया

पहली पारी में 152 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। इस तरह से उसने इंग्लैंड के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा। पहली पारी में 110 रन पर आउट होने वाले इंग्लैंड ने छह विकेट पर 178 रन बनाकर अपने हजारों धैर्यवान लेकिन वफादार 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबो दिया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'अब तक यह दौरा काफी कठिन रहा है। हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया वह शानदार था। हमने साहसिक खेल दिखाया और अपने काम को अंजाम तक पहुंचाया। जब मैं आउट हुआ तब हम लक्ष्य से 10 रन पीछे थे। मैं जानता था कि हम लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। जीत के साथ अंत करना सुखद अहसास है।'

ऑस्ट्रेलिया के 3 बल्लेबाज पहुंच सके दोहरे अंक तक

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क, झाय रिचर्डसन और बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के चार रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसके केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंचे। इनमें सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (46), स्मिथ (नाबाद 24) और कैमरन ग्रीन (19) शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में सस्ते में आउट करने में कार्स ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 34 रन देकर चार विकेट लिए जबकि स्टोक्स ने 24 रन देकर तीन विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने नाइटवॉचमैन बोलैंड (06) का विकेट जल्दी खो दिया। इसके बाद जैक वेदरल्ड (05) और मार्नस लाबुशेन (08) भी आयाराम गयाराम ही साबित हुए। हेड के आउट होने के बाद अगले दो ओवरों में उस्मान ख्वाजा (00) और एलेक्स कैरी (04) भी पवेलियन लौट गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 82 रन से छह विकेट पर 86 रन हो गया। लंच के बाद स्टोक्स ने ग्रीन का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिन्होंने दूसरी स्लिप पर कैच दिया। इसके बाद कार्स ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेटने में देर नहीं लगाई।

रूट ने लारा को छोड़ा पीछे

जो रूट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 501वीं पारी में पूरे किए और सबसे तेज 22 हजार रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए, जहां पहले ब्रायन लारा थे। लारा अब चौथे नंबर पर आ गए, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 511 पारियों में पूरे किए थे। इस लिस्ट में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने इस आंकड़े को 462 पारियों में छूआ था जबकि दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने ऐसा 493वें पारी में किया था।

मेलबर्न में फेंकी गई कुल 852 गेंदें

मेलबर्न में खेला गया एशेज टेस्ट दो दिन में खत्म हुआ। इतिहास में सातवीं बार एशेज का कोई मैच दो दिन के अंदर खत्म हुआ। मेलबर्न में कुल 852 गेंदें फेंकी गई और गेंदों में हिसाब से यह चौथा सबसे छोटा एशेज टेस्ट बन गया है। मेलबर्न में चारों पारियों में कोई खिलाड़ी फिफ्टी तक नहीं लगा गया और एक भी फिफ्टी के बिना इस मैच में 500 से ज्यादा बने। ऐसा छठी बार हुआ है। यह एशेज में 150 से ज़्यादा के सफल चेज़ में सबसे ज़्यादा रन-रेट वाला दूसरा मैच बन गया है।

17 साल की तिलोत्तमा ने 50 मीटर राइफल में जीता स्वर्ण

भोपाल। बेंगलुरु की युवा निशानेबाज तिलोत्तमा सेन ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सत्रह साल की यह निशानेबाज देश के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी थी। तिलोत्तमा ने 466.9 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। केरल की विदार्सा के विनोद ने 462.9 अंक से रजत जबकि रेलवे की आयोनिका पॉल ने 451.8 अंक के स्कोर से कांस्य पदक प्राप्त किया। तिलोत्तमा ने क्वालिफिकेशन दौर में 591 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था जबकि विदार्सा 589 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं तिलोत्तमा की कर्नाटक की साथी अनुष्का ठाकुर 588 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंची। फाइनल में अनुष्का बहुत कम अंतर से पदक से चूक गईं, वह 441.2 के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार पांचवें और आशी चौकसे छठे स्थान पर रहीं।

श्रीलंका पर अपना दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

पहले तीन मैच जीतकर श्रंखला अपने नाम कर चुकी भारतीय महिला टीम रविवार 28 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी।

- श्रीलंका के खिलाफ चौथा महिला टी20 आज शाम 7 बजे से

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पांच मैचों की इस श्रृंखला में अभी तक अपना दबदबा कायम रखा है। श्रीलंका की टीम अभी तक उसे किसी भी तरह की चुनौती नहीं दे पाई है। भारत श्रृंखला में 3-0 से आगे है। भारत ने पहले तीन मैच में लक्ष्य का पीछा किया और उसके दबदबे का

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने किसी भी मैच में 14.4 ओवर से अधिक बल्लेबाजी नहीं की है, तीन से अधिक विकेट नहीं गंवाए हैं, और 129 रन से अधिक के लक्ष्य का सामना नहीं किया है।

टॉस ने निभाई भूमिका

इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से भारतीय गेंदबाजों को जाता है। अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने दो मैचों में चार विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सिंह ने ग्रीनफील्ड स्टेडियम में एक ही मैच में चार विकेट हासिल किए। टॉस ने भी थोड़ी भूमिका निभाई होगी क्योंकि हरमनप्रीत ने तीनों मौकों पर टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। इससे उनके गेंदबाजों को कम ओस वाली परिस्थितियों में गेंदबाजी करने का मौका मिला। भारतीय गेंदबाजों ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया है और अब तक किसी भी श्रीलंकाई बल्लेबाज को 40 रन की संख्या को पार नहीं करने दिया है।

फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप

कार्लसन के साथ संयुक्त बढ़त पर अर्जुन एरिगैसी और गुकेश

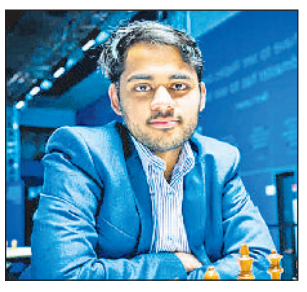

एजेंसी ▶▶| दोहा

क्लासिकल प्रारुप के मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और विश्व के नंबर एक मैग्नस कार्लसन के साथ फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप के पहले दिन के पहले पांच दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं। इस तिकड़ी ने मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के साथ 4.5 अंकों के साथ पहले दिन शीर्ष स्थान साझा किया।

कार्लसन शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने चारों बाजी आसानी से जीती लेकिन पांचवें और अंतिम दौर में एरिगैसी ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया और दोनों ने 4.5 अंकों के साथ दिन का समापन किया।

18 वर्षीय मुर्ज़िन का पहला दिन मुश्किल भरा: गुकेश ने पहले दौर में ड्रॉ से शुरुआत करते हुए शानदार वापसी की। इसके बाद उन्होंने चार जीत हासिल कर शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई। विश्व रैपिड चैंपियनशिप के मौजूदा चैंपियन रूस के 18 वर्षीय वोलोडर मुर्ज़िन का पहला दिन काफी मुश्किल भरा रहा और वे सिर्फ दो अंक ही हासिल कर पाए।

यादें 2025 : भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल में पदक जीतने में हासिल की कामयाबी

मीराबाई की प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा भारतीय भारोत्तोलन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय भारोत्तोलन एक बार फिर मीराबाई चानू की अटूट प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा, जिनका विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक डोपिंग संबंधी चिंताओं और सीनियर स्तर पर अन्य खिलाड़ियों की निराशाजनक प्रदर्शन के कारण वर्ष 2025 में इस खेल के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थी।

एक साल से अधिक समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने के बाद वापसी करते हुए मीराबाई ने स्वदेश में आयोजित राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इ स के बाद उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता, जिससे खेल की भारत में ध्वजवाहक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि हुई।

एशियाई चैंपियनशिप में निरुपमा देवी ने हासिल किया चौथा स्थान

चानू ने 199 किलोग्राम वजन उठाकर जीता रजत

मीराबाई ने नॉर्वे के फोर्डे में खेली गई प्रतियोगिता में 199 किलोग्राम के कुल भार उठाकर रजत पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 84 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम वजन उठाया। चानू के अलावा इस सत्र में अन्य सीनियर भारोत्तोलकों ने कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कमजोर प्रतिस्पर्धा के बावजूद पदक जीतने में कामयाबी हासिल की, लेकिन उनका प्रदर्शन विश्व स्तरीय मानकों के करीब भी नहीं पहुंच पाया। एशियाई चैंपियनशिप में भी निरुपमा देवी ने महिलाओं के 64 किलोग्राम वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया, जबकि दिलबाग सिंह पुरुषों के 96 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में नौवें स्थान पर रहे।

विद्युत (टीआरडी) कार्य

ई-निविदा सूचना सं. TSK/Elect/218; दिनांक:26-12-2025। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा पद्धति के जरिये कार्य निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **क्र.सं.1। आइटम का संक्षिप्त विवरण:** नामतियाली स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन के लिए विद्युत (टीआरडी) कार्य **(निविदा सं. LV-T-14-TSK-TRD-12)**। निविदा मूल्य: ₹1,58,62,563.22; धरोहर राशि: ₹2,29,300.00। **ई-निविदाएं** 19-01-2026 को 13:00 बजे **बंद होंगी** और 19-01-2026 को 15:00 बजे **खुलेंगी**। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा कागजात के साथ संपूर्ण सूचना वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर 19-01-2026 को 13:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी।
डीआरएम (इलेक्ट./टीआरडी)/तिनसुकिया
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) ASHOK_LEY AL_1214
REG. NO. UP15ET2732- YOM- 2019
MINIMUM RESERVE PRICE-392270.67

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION"INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS (ONLINE/OFFLINE) WITHIN 15 DAYS FROM THIS PAPER PUBLICATION I.E. ON OR BEFORE 11-01-2026 (PLEASE NOTE THAT CLOSING AUCTION DATE WOULD NOT BE A WEEKLY OFF / HOLIDAY).
BRANCH ADDRESS:
KOTAK MAHINDRA BANK
3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125, NOIDA-201313 OR
CONTACT : PUNIT PARASHAR
KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT NO. 8377905498
EMAIL–punit.parshar@kotak.com

कंपकंपा देने वाली ठंड में भी कड़ा पहरा

कश्मीर में सेना का शीतकालीन ऑपरेशन तेज, जम्मू में 35 आतंकी निशाने पर

जब पहाड़ों में आम गतिविधियां ठहर जाती हैं, तब भी सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी से डटे हुए हैं। इस बार चिल्लई कलां को ठहराव नहीं, बल्कि सतत निगरानी और निर्णायक कार्रवाई के मौसम में बदला जा रहा है।

एजेंसी ▶▶ जम्मू कश्मीर

कड़ाके की ठंड और दुर्गम पहाड़ी इलाकों के बीच भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और डोडा जिलों में आतंकवाद विरोधी अभियानों को और तेज कर दिया है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, सेना इस सर्दी में पाकिस्तानी आतंकियों को ठंड का फायदा उठाकर छिपने से रोकने के लिए लगातार दबाव बनाए हुए है।

सेना ने अपनाया आक्रामक रुख

आमतौर पर 21 दिसंबर से 31 जनवरी तक चलने वाले 40 दिन के 'चिल्लई कलां' के दौरान बर्फबारी और संपर्क मार्ग बंद होने के कारण आतंकी गतिविधियों में अस्थाई कमी देखी जाती है। लेकिन इस बार सेना ने गतिविधियां कम करने के बजाय "प्रो-एक्टिव विंटर पोस्टर" अपनाया है।

बर्फीले इलाकों में अस्थायी ठिकाने

सेना ने बर्फ से ढके ऊंचाई वाले इलाकों में अस्थायी बेस और निगरानी चौकियां स्थापित की हैं। सब-जीरो तापमान और कम दृश्यता के बावजूद सेना की टुकड़ियां ऊंची पहाड़ियों, घाटियों और जंगलों में नियमित गश्त कर रही हैं, ताकि आतंकियों को किसी भी तरह की पनाह न मिल सके।

जम्मू क्षेत्र में 30–35 आतंकी सक्रिय

खुफिया एजेंसियों के आकलन के अनुसार, फिलहाल जम्मू क्षेत्र में करीब 30 से 35 पाकिस्तानी आतंकी मौजूद हैं। हाल के महीनों में लगातार सफल अभियानों के चलते ये आतंकी आबादी वाले इलाकों से हटकर मध्य और ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में शरण लेने को मजबूर हुए हैं।

स्थानीय समर्थन कमजोर, दबाव बढ़ा

सूत्रों के मुताबिक, आतंकी अस्थायी शीतकालीन ठिकानों की तलाश में हैं और कुछ मामलों में स्थानीय ग्रामीणों को भोजन व आश्रय के लिए धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, स्थानीय समर्थन और ओवरग्राउंड वर्कर्स का नेटवर्क काफी कमजोर पड़ चुका है, जिससे उनकी गतिविधियां सीमित हो गई हैं।

इंटर-एजेंसी समन्वय बना ताकत

इस साल की रणनीति की खास बात विभिन्न एजेंसियों के बीच मजबूत तालमेल है। सेना के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), वन विभाग, ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) और सिविल प्रशासन मिलकर संयुक्त अभियान चला रहे हैं। इससे खुफिया जानकारी साझा करने और त्वरित कार्रवाई में मदद मिल रही है।

सटीक खुफिया सूचना पर त्वरित कार्रवाई

कई एजेंसियों से मिलने वाली सूचनाओं को मिलाकर आतंकियों की आवाजाही और ठिकानों की सटीक तस्वीर तैयार की जा रही है। सत्यापन के बाद संयुक्त ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं, जिससे ओवरलैप कम और प्रभाव अधिक हो रहा है।

दोहरी रणनीतिः सफाया और घेराबंदी

सुरक्षा बलों का फोकस शेष आतंकी ठिकानों को खत्म करने और आतंकियों को ऊंचे, निर्जन इलाकों तक सीमित रखने पर है। इससे न केवल उनकी घुसपैठ रुक रही है, बल्कि रसद और संचार व्यवस्था भी बाधित हो रही है।

'सर्विलांस-स्वीप-सर्विलांस' मॉडल

घाटियों, मध्य ऊंचाई और ऊंची पहाड़ियों में एक साथ ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। हर कार्रवाई के बाद इलाके में लगातार निगरानी रखी जा रही है। यही 'सर्विलांस-स्वीप-सर्विलांस' चक्र सेना की नई शीतकालीन नीति की रीढ़ बना है।

विशेष रूप से प्रशिक्षित टुकड़ियां तैनात

सेना ने विंटर वॉरफेयर में दक्ष विशेष उप-इकाइयों को तैनात किया है। ये जवान बर्फ में संचालन, एवलांच रेस्पॉन्स और उच्च हिमालयी परिस्थितियों में युद्ध के लिए प्रशिक्षित हैं।

तकनीक बनी फोर्स मल्टीप्लायर

ड्रोन, ग्राउंड सेंसर और सर्विलांस रडार जैसी आधुनिक तकनीकों से आतंकियों की गतिविधियों, हीट सिग्नेचर और संभावित रास्तों पर नजर रखी जा रही है। रियल-टाइम इंटेलिजेंस के आधार पर रणनीति लगातार अपडेट की जा रही है।

खबर संक्षेप

ग्वाटेमाला में बस खाई में गिरी, 15 की मौत

नई दिल्ली। मध्य अमेरिका में स्थित देश ग्वाटेमाला में भीषण सड़क हादसा हुआ है। गवाटेमाला के पश्चिमी इलाके में इंटर-अमेरिकन हाइवे पर एक यात्रा बस खाई में गिर जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए, अधिकारियों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। स्थानीय फायर ब्रिगेड के प्रवक्ता लिआंड्रो अमाडो ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष, 3 महिलाएं और एक नाबालिग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 19 घायल यात्रियों को घटनास्थल से बचाया गया और इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

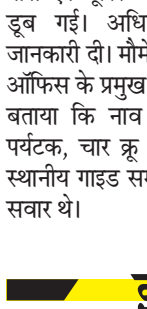

इंडोनेशिया में नाव डूबी 11 लोग लापता

जकार्ता(इंडोनेशिया के कोमोडो द्वीप के पास नौका डूबने से चार स्पेनिश पर्यटकों समेत 11 लोग लापता हो गए। बचावकर्मियों ने शनिवार को स्पेनिश परिवार की तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि कोमोडो नेशनल पार्क के अंदर लोकप्रिय पर्यटन स्थल पदार द्वीप के पास एक टूरिस्ट नाव शुक्रवार रात डूब गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौमेरे सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख फतहुर रहमान ने बताया कि नाव में छह स्पेनिश पर्यटक, चार क्रू सदस्य और एक स्थानीय गाइड समेत कुल 11 लोग सवार थे।

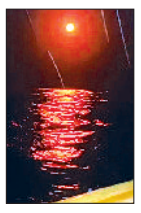

अमेरिका में भयंकर बर्फीले तूफान 'डेविन' की दस्तक, घरों में रहने की सलाह

पूरे नॉर्थ ईस्ट अमेरिका में अलर्ट इमरजेंसी घोषित, 1800 उड़ानें रद्द

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से नॉर्थ ईस्ट अमेरिका तक स्नो स्टॉर्म की चपेट में है। शहर, सड़कें, घर बर्फ की मोटी चादर से ढके हैं

तूफानी हवाओं से पेड़ गिरे, बिजली आपूर्ति बाधित

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से नॉर्थ ईस्ट अमेरिका तक स्नो स्टॉर्म की चपेट में है। शहर, सड़कें, घर बर्फ की मोटी चादर से ढके हैं। बर्फीले तूफान और बर्फीली बारिश से सड़कों पर फिसलन है। नेशनल वेदर एजेंसी (एनडब्ल्यूए) ने विंटर स्टॉर्म 'डेविन' को लेकर चेतावनी जारी करते हुए न्यूयॉर्क समेत कई शहरों में आपातकाल की घोषणा कर दी है और लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी है।

ईस्ट कोस्ट की तरफ बढ़ रहा तूफान

पूरे नॉर्थ ईस्ट अमेरिका में अलर्ट और इमरजेंसी रहेगा, क्योंकि एक शक्तिशाली बर्फीला तूफान ईस्ट कोस्ट की ओर बढ़ रहा है। वेस्ट कोस्ट से लेकर उत्तर-पूर्व और अलास्का तक तूफान आने की चेतावनी है। कैलिफोर्निया, नेवाडा, इडाहो, व्योमिंग, कोलोराडो, पेन्सिलवेनिया, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, अलास्का, कनेक्टिकट, वाशिंगटन, ओरेगन, मोंटाना, यूटा, मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, ओहियो, वेस्ट वर्जीनिया, मैरीलैंड, वर्जीनिया, डेलावेयर और मैसाचुसेट्स, उत्तर-पूर्वी न्यू जर्सी, पेन्सिलवेनिया के कुछ इलाकों और दक्षिण-पूर्वी न्यूयॉर्क में भारी बर्फबारी होने की चेतावनी जारी की गई है।

सड़कों पर बिछी बर्फ की मोटी चादर

एनडब्ल्यूए की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार सर्दियों का सबसे भीषण बर्फीला तूफान आया है, जिससे न्यूयॉर्क सिटी और इसके आस-पास के इलाकों में 2 से 8 इंच मोटी बर्फ की परत बिछा दी है। कहीं-कहीं 10 इंच मोटी परत जमा है। न्यू जर्सी, कनेक्टिकट, पेंसिल्वेनिया में तूफानी हवाएं चलने से पेड़ गिर गए और बिजली की तारें टूटने से बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई है। मिशिगन, पेंसिल्वेनिया में फ्रीजिंग रेन और स्नोफॉल से सड़कों पर 10 से 12 इंच मोटी बर्फ की परत जमा है और सड़कें भी फिसलन भरी हैं।

कई एयरपोर्ट पर फंसे हैं हजारों लोग

एनडब्ल्यूए ने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भारी बर्फबारी के साथ तूफानी हवाएं चलने का अलर्ट देकर इमरजेंसी घोषित कर दी है। जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, ला गार्डिया एयरपोर्ट और डेट्रॉइट मेट्रोपॉलिटन वेन काउंटी एयरपोर्ट समेतट देशभर के कई एयरपोर्ट पर लोग फंसे हुए हैं। 1800 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं औरी 22000 से ज्यादा फ्लाइट लेट हैं। सड़कों पर फिसलन होने की वजह से लोग एयरपोर्ट से निकलकर ड्राइविंग करने से बच रहे हैं, इसलिए एयरपोर्ट के अंदर ही डेरा डाले हुए हैं।

बांग्लादेश में 'संस्कृति' पर फिर हमला

सिंगर जेम्स को गाने से रोका ईंट-पत्थर फेंके, 20 घायल

फरीदपुर में आयोजित समारोह में हमला, सिंगर जेम्स

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश के फरीदपुर में लोकप्रिय गायक जेम्स के कंसर्ट में भीड़ ने हमला कर दिया। इस घटना में 20 लोग घायल हुए हैं। भीड़ में शामिल लोगों ने ईंट और पत्थर फेंके, जिससे कई लोग घायल हुए हैं। जेम्स का यह संगीत कार्यक्रम फरीदपुर जिला स्कूल के 185वें स्थापना दिवस समारोह के समापन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम स्कूल परिसर में बनाए गए एक अस्थायी मंच पर शुक्रवार रात करीब 9 बजे होना था, तभी अचानक एक भीड़ कार्यक्रम स्थल में घुस आई और वहां मौजूद लोगों पर पत्थर और ईंटें फेंकनी शुरू कर दीं, जिससे कई लोग घायल हो गए। लोगों ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन अंत में संगीत समारोह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। अधिकारियों और आयोजकों ने यह जानकारी दी। जेम्स बांग्लादेशी रॉक बैंड 'नगर बाउल' के प्रमुख गायक, गीतकार और गिटार वादक हैं।

कलाकारों पर हो रहे हमले

बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने एक्स पर घटना का वीडियो साझा करते हुए देश में गायकों और कलाकारों पर हो रहे हमलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक केंद्र छायानाट को जलाकर राख कर दिया गया है। उदिची (वह संगठन जिसका उद्देश्य संगीत, रंगमंच, नृत्य, कविता पाठ और लोक संस्कृति को बढ़ावा देकर धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील चेतना को पोषित करना था) भी जलकर राख हो गया है। नसरीन ने कहा कि कुछ दिन पहले उस्ताद अलाउद्दीन खान के पोते सिराज अली खान ढाका आए थे।

विस्तृत जानकारी जुटा रही पुलिस

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सदर सर्कल) अजमीर हुसैन ने कहा कि घायलों की वास्तविक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। हम विस्तृत जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

इलेक्ट्रिक क्रूज की सवारी का आनंद

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में आनासागर झील में शनिवार को सूर्यास्त के समय पर्यटक इलेक्ट्रिक क्रूज की सवारी करते हुए। आनासागर झील अजमेर की ऐतिहासिक और खूबसूरत कृत्रिम झील है, जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी में पृथ्वीराज चौहान के दादा, राजा अर्णोराज चौहान ने कराया था। यह अजमेर शहर का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जहाँ लोग बोटिंग, टहलने और प्रकृति का आनंद लेने आते हैं, जिसके चारों ओर सुभाष उद्यान और संगमरमर के मंडप बने हैं, जिससे इसकी सुंदरता और बढ़ गई है।

अभयरैब वैक्सीन पर आईआईएल का पक्ष

ऑस्ट्रेलियाई चेतावनी को कहा 'भ्रामक' कहा नकली बैच बाजार में उपलब्ध नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की अग्रणी वैक्सीन निर्माता कंपनियों में से एक इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) ने मानव एंटी-रेबीज वैक्सीन 'अभयरैब' को लेकर सामने आई हालिया खबरों पर शनिवार को स्पष्टीकरण जारी किया है।

कंपनी ने ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य एजेंसियों की ओर से जारी परामर्श को अत्यधिक सतर्कता भरा और भ्रामक बताते हुए सख्ती से खारिज किया है। आईआईएल ने कहा कि अभयरैब रेबीज वैक्सीन के जिस कथित नकली बैच बैच नंबर केए24014 (निर्माण तिथि मार्च 2024, समाप्ति तिथि फरवरी 2027) का उल्लेख किया जा रहा

अभयरैब वैक्सीन

है, उसकी पहचान जनवरी 2025 की शुरुआत में ही कर ली गई थी। कंपनी के अनुसार, यह नकली बैच अब बाजार में उपलब्ध नहीं है और इसे तुरंत वापस ले लिया गया था। इससे पहले इसी सप्ताह ऑस्ट्रेलियन टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन ने चेतावनी जारी करते हुए दावा किया था कि 1 नवंबर 2023 से भारत में अभयरैब वैक्सीन के नकली बैच प्रचलन में हैं।

विदेश मंत्रालय ने दोहराया समर्थन

म्यांमार में लोकतांत्रिक की बहाली और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव हों

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली और स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा समावेशी चुनावों के प्रति अपना समर्थन दोहराया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत म्यांमार में शांति, स्थिरता और सामान्य स्थिति की वापसी के पक्ष में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत म्यांमार में लोकतांत्रिक संक्रमण का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि म्यांमार में चुनाव होने जा रहे हैं। हम ऐसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनावों का समर्थन करते हैं, जिनमें सभी की भागीदारी हो। भारत म्यांमार में शांति, स्थिरता और सामान्य स्थिति की बहाली के पक्ष में खड़ा है।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल

म्यांमार में आज से चुनाव का पहला चरण

अगस्त में म्यांमार के केंद्रीय चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि देश में आम चुनाव का पहला चरण 28 दिसंबर को होगा, जबकि अगले चरणों की तारीखें बाद में घोषित की जाएंगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई, जब जून में म्यांमार के स्टेट सिक्योरिटी एंड पीस कमीशन के अध्यक्ष सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा था कि देश में चुनाव दिसंबर और अगले वर्ष जनवरी के दौरान कराए जाएंगे।

पीएम ने की थी मुलाकातः 31 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी ने चीन के तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के स्टेट सिक्योरिटी एंड पीस कमीशन के अध्यक्ष सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की थी। इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-म्यांमार द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और व्यापार, विकास साझेदारी, रक्षा एवं सुरक्षा तथा सीमा प्रबंधन सहित कई मुद्दों पर आगे की दिशा पर चर्चा की।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109